page 1 and 8 mar 20_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/20/2026 1:20 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 एसएमवीडीयू में 'वर्चुअल लैब्स' पर कार्यशाला आयोजित, 121 छात्रों ने लिया भाग

5 गंभीर ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा, एआई डीपफेक के गलत इस्तेमाल पर रोक की लगाई गुहार

8 लीची की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 13 — अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-69 | जम्मू तवी, शुक्रवार 20 मार्च, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

देश के ऊर्जा क्षेत्र में योगदान दें वैश्विक निवेशक : प्रधानमंत्री

–वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली, 19 मार्च । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वैश्विक निवेशकों को बिजली क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री ने उनसे भारत में ''निर्माण, निवेश, नवाचार एवं विस्तार'' करने का भी आग्रह किया।

यशोभूमि में आयोजित 'भारत बिजली शिखर सम्मेलन' 2026 में केंद्रीय ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लिखित संदेश पढ़ा, जिसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं वैश्विक समुदाय को भारत में निर्माण करने, भारत में नवाचार करने, भारत में निवेश करने और भारत के साथ विस्तार करने के लिए आमंत्रित करता हूं। मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन सार्थक संवाद एवं स्थायी साझेदारियों को बढ़ावा देगा,

जो भारत की वृद्धि को ऊर्जा प्रदान करेंगी।''

उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य पूरे बिजली व ऊर्जा तंत्र को एक मंच पर लाना है, ताकि विचारों का आदान-प्रदान हो, सहयोग को बढ़ावा मिले और विकास व जीवन स्तर सुधार के लिए साझा मार्ग तैयार किया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह विकास को ऊर्जा प्रदान करने एवं स्थिरता लाने, वैश्विक स्तर पर जुड़ने और 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के हमारे साझा संकल्प को दर्शाता है।''

उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी ऊर्जा यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और हम अवसंरचना को मजबूत कर रहे हैं तथा सभी के लिए विश्वसनीय ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा में भारत की प्रगति इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मोदी ने कहा कि 50 फीसदी से अधिक गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता पहले ही हासिल की जा चुकी है और 2030 तक 500 गीगावाट का स्पष्ट लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि 'वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड' जैसी पहल वैश्विक सहयोग के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण, बैटरी विनिर्माण को आगे बढ़ाने, हरित रोजगार सृजन और साहसिक सुधारों के माध्यम से निवेश को सक्षम बनाने में एक विश्वसनीय ऊर्जा भागीदार के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि 'शांति अधिनियम 2025' परमाणु ऊर्जा में नए अवसर खोलता है, जबकि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना विकेंद्रीकृत उत्पादन एवं टिकाऊ खपत को बढ़ावा दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वितरण सुधार एवं दक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिससे वित्तीय स्थिति सुधारने में मदद मिली है। इससे अधिक कुशल व टिकाऊ क्षेत्र का संकेत मिलता है, जिसमें मूल्य श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर व्यापक अवसर हैं और भारत बड़े पैमाने पर निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह शिखर सम्मेलन भारत के विकास को गति प्रदान करने हेतु सार्थक संवाद और दीर्घकालिक साझेदारियों को उत्प्रेरित करेगा।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर देशभर से श्रद्धालु माता वैष्णो देवी मंदिर में माथा टेकने पहुंचे

कटरा, 19 मार्च । चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर देशभर से श्रद्धालु माता वैष्णो देवी मंदिर में माथा टेकने पहुंच रहे हैं। वीरवार को भी कटरा और भवन क्षेत्र में हल्की बारिश का दौर जारी रहा लेकिन इससे भक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं आई। बारिश के बीच भी श्रद्धालु 卐जय माता दी卐 के जयकारों के साथ लगातार भवन की ओर बढ़ते नजर आए। खराब मौसम के बावजूद भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

माता रानी के भवन को इस खास मौके पर विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे फूलों से भव्य रूप से सजाया गया है जिससे पूरे परिसर में आध्यात्मिक और मनमोहक वातावरण बना हुआ है। इस दिव्य सजावट का श्रद्धालु भरपूर आनंद ले रहे हैं और इसे अपने कैमरों में कैद कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से भी श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं ताकि सभी भक्त सुचारु रूप से दर्शन कर सकें।

उपराज्यपाल सिन्हा ने माता वैष्णो देवी के दर्शन करके शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की

जम्मू, 19 मार्च । जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए और सभी की शांति, समृद्धि, सुख और कल्याण के लिए प्रार्थना की।

उपराज्यपाल ने अपने फेसबुक हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए। सभी की शांति, समृद्धि, सुख और कल्याण के लिए प्रार्थना की।

श्रीनगर में सीआईके ने साइबर धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया, सात गिरफ्तार

श्रीनगर, 19 मार्च । काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने श्रीनगर में अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ करके सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि सीआईके-सीआईडी को गुप्त कॉल सेंटरों के बारे में तकनीकी इनपुट प्राप्त हुए थे, जो विदेशी और स्थानीय नागरिकों को निशाना बनाकर धोखाधड़ी वाली ऑनलाइन गतिविधियों में शामिल थे। तकनीकी विशेषज्ञों और फील्ड ऑपरेटिव्स की विशेष टीमें गठित की गईं, जिन्होंने कई स्थानों पर निगरानी और डिजिटल खुफिया जानकारी जुटाई।

उन्होंने बताया कि टीमों ने यहां रंगरेठ के औद्योगिक क्षेत्र में एक प्रमुख ऑपरेशनल हब की पहचान की। इसके बाद शहर में विभिन्न स्थानों पर समन्वित छापे मारे गए, जिसके परिणामस्वरूप सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। 13 मोबाइल फोन, नौ लैपटॉप, वीओआईपी सिस्टम, सिम कार्ड, नेटवर्किंग उपकरण और डिजिटल स्टोरेज मीडिया सहित बड़ी मात्रा में डिजिटल और संचार उपकरण जब्त किए गए। अधिकारी ने बताया कि जब्त किए गए उपकरणों में कई स्मार्टफोन, लैपटॉप और एक आईपैड शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आरोपितों ने वीओआईपी आधारित प्रणालियों का उपयोग करके एक अपंजीकृत कॉल सेंटर स्थापित किया था, जिसके माध्यम से वे अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल नंबर बनाते थे और सर्वर रूटिंग और स्पूफिंग तकनीकों के जरिए अपने स्थान को छिपाते थे।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी, मैदानी इलाकों में भारी बारिश

श्रीनगर, 19 मार्च । गुलमर्ग और सोनमर्ग के पर्यटक रिसॉर्ट्स के साथ-साथ कश्मीर के ऊंचाई वाले कई इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई है, जबकि मैदानी इलाके भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं।

उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित गुलमर्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित सोनमर्ग दोनों में ताजा बर्फबारी हुई है। गुलमर्ग रिसॉर्ट में पिछले दिन से लगभग पांच से छह इंच नई बर्फ जमा हो गई है। अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में भी ताजा बर्फबारी की सूचना है, जिसमें शोपियां जिले में मुगल रोड पर पीर की गली साथ ही राजदान टॉप, बांदीपोरा में गुरेज और कुपवाड़ा में साधना टॉप शामिल हैं। घाटी के अधिकतर ऊपरी इलाकों में रविवार से रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है द्य इसके विपरीत श्रीनगर सहित घाटी के मैदानी इलाके भारी बारिश से प्रभावित हुए। अधिकारियों ने कहा कि इस बारिश मौसम के कारण पूरे क्षेत्र में तापमान कम हो गया है । मौसम विभाग ने 20 मार्च तक अनियमित मौसम की स्थिति की भविष्यवाणी की है। शुक्रवार तक अधिकांश क्षेत्रों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई गई है। चिनाब घाटी के ऊंचे इलाकों और दक्षिण कश्मीर के क्षेत्रों में मध्यम से भारी बर्फबारी हो सकती है। मौसम कार्यालय ने 21-24 मार्च तक आम तौर पर शुष्क मौसम का अनुमान लगाया था, लेकिन 23 मार्च को कुछ क्षेत्रों में थोड़ी बारिश या बर्फबारी की संभावना का उल्लेख किया था।

अंतरिम जमानत पर रिहा JeM के तीन ओजीडब्ल्यू पर GPS एंकलेट लगाए गए

जम्मू तवी, 19 मार्च । पुलिस ने कठुआ जिले में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) के तीन ओवर-ग्राउंड वर्कर्स (OGWs) को अंतरिम जमानत पर रिहा होने के बाद उनके पैरों में जीपीएस युक्त ट्रैकिंग एंकलेट लगा दिए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई कठुआ के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश के बाद की गई। आरोपियों की पहचान मूल राज, लियाकत अली और मकबूल के रूप में हुई है। इन उपकरणों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा की निगरानी में लगाया गया। जीपीएस ट्रैकिंग एंकलेट एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होता है, जिसे टखने पर बांधा जाता है और इसके माध्यम से पहनने वाले की लोकेशन का रियल-टाइम में पता लगाया जा सकता है। पुलिस के अनुसार, ये आरोपी पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन के ओजीडब्ल्यू थे और इन्हें 25 जुलाई 2024 को गिरफ्तार किया गया था। इन पर आतंकियों को लॉजिस्टिक सहायता देने, जिसमें वाई-फाई सुविधाएं उपलब्ध कराना भी शामिल है, का आरोप है।

गौरतलब है कि 8 जुलाई 2024 को भारी हथियारों से लैस आतंकियों के एक समूह ने सेना के दो ट्रकों पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें पांच सैनिक शहीद हो गए थे और पांच अन्य घायल हुए थे। हमलावर बिना किसी नुकसान के फरार हो गए थे। इन तीनों आरोपियों के खिलाफ 2024 में मल्हार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। उन पर भारतीय न्याय संहिता (Bharatiya Nyaya Sanhita) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं, जिनमें आतंकवादी कृत्य (धारा 113), आपराधिक साजिश (धारा 61(1)), भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना (धारा 147) और युद्ध की साजिश को छिपाना (धारा 150) शामिल हैं।

पाकिस्तान को अमेरिकी खुफिया प्रमुख ने बताया खतरा, भारत ने कहा-इतिहास इसकी गवाही देता है

नई दिल्ली, 19 मार्च । भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को लेकर दुनिया को आगाह किया है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान का इतिहास परमाणु हथियारों के प्रसार का रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का यह बयान अमेरिकी खुफिया एजेंसी की प्रमुख की तरफ से पाकिस्तान से संभावित खतरे को लेकर दिए गए बयान पर आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में पड़ोसी देश पर निशाना साधा। उन्होंने पाकिस्तान के गुप्त परमाणु प्रसार के दस्तावेजी इतिहास पर प्रकाश डाला और कहा कि पाकिस्तान का गुप्त परमाणु प्रसार का इतिहास रहा है और इस तरह के बयान एक बार फिर यह स्पष्ट करते हैं कि उनके गुप्त परमाणु अभियानों के कारण वे दुनिया के लिए किस तरह का खतरा पैदा करते हैं।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया (डीएनआई) के निदेशक के रूप में तुलसी गैबार्ड ने सीनेट की खुफिया मामलों की चयन समिति (एसएससीआई) के समक्ष बयान दिए। उन्होंने अमेरिका को होने वाले खतरे का आकलन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि खुफिया विभाग का आकलन है कि रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान और पाकिस्तान परमाणु और पारंपरिक पेलोड से लैस कई प्रकार की नवीन, उन्नत या पारंपरिक मिसाइल वितरण प्रणालियों पर शोध और विकास कर रहे हैं, जो हमारी धरती को खतरे की सीमा में ला सकती हैं।

पुलवामा में कथित दुर्व्यवहार के आरोप में बीडीओ निलंबित, जांच के आदेश

श्रीनगर, 19 मार्च । कश्मीर ग्रामीण विकास निदेशालय ने एक पंचायत निरीक्षक (वर्तमान में ब्लॉक विकास अधिकारी) को कथित दुर्व्यवहार के मामले में जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया है। आदेश के अनुसार लैला खालिद जो वर्तमान में नेवा में ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) का कार्यभार संभाल रही हैं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें सहायक आयुक्त पंचायत गांदरबल के कार्यालय में संलग्न किया गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि सहायक आयुक्त विकास पुलवामा अगले आदेश तक अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त नेवा के बीडीओ का कार्यभार संभालेंगे। इस बीच सहायक आयुक्त विकास पुलवामा को मामले की गहन जांच करने और 15 दिनों के भीतर निदेशालय को सिफारिशों सहित एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

ईद-उल-फितर शुक्रवार या शनिवार को चांद दिखने के आधार पर मनाई जाने की संभावना

श्रीनगर, 19 मार्च । ईद-उल-फितर शुक्रवार या शनिवार को चांद दिखने के आधार पर मनाई जाने की संभावना है। ऐसे में श्रीनगर के बाज़ार खरीदारी की गतिविधियों में तेज़ी आने से गुलज़ार हो गए हैं। यह उस उत्सव के माहौल को दिखाता है जो पारंपरिक रूप से रमज़ान के आखिरी दिनों की पहचान है।

रामराज्य के आदर्शों से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण संभवः राष्ट्रपति मुर्मु

अयोध्या, 19 मार्च । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने जिस अयोध्या नगरी में जन्म लिया उसकी पवित्र धूलि का स्पर्श प्राप्त करना ही मैं अपना परम सौभाग्य मानती हूं। स्वयं प्रभु श्रीराम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बताया था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, रामलला के दिव्य विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर के शिखर पर धर्म-ध्वजारोहण की तिथियां हमारे इतिहास और संस्कृति की स्वर्णिम तिथियां हैं। उन्होंने कहा कि रामराज्य के आदर्शों के पालन से ही नैतिक और धर्माचरण आधारित राष्ट्र निर्माण हो सकता है।

राष्ट्रपति मुर्मु गुरुवार को अयोध्या में प्रभु श्री राम जन्मभूमि

मंदिर परिसर में श्रीराम यंत्र की स्थापना के बाद देश की जनता को संबोधित कर रहीं थीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इसी अयोध्या यानी अवधपुरी और आस-पास की लोक-भाषा में संत कवि तुलसीदासजी ने 'श्री रामचरितमानस' की रचना की थी। रामचरितमानस में प्रभु श्रीराम सीताजी से कहते हैं कि यद्यपि सबने वैकुंठ का बखान किया है तथा वह वेद पुराणों में वर्णित है, जग-प्रसिद्ध है, लेकिन वैकुंठ भी मुझे अवधपुरी जितना प्रिय नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, संवत्सर 2083 के शुभारंभ के दिन और नवरात्र के प्रथम दिवस पर यहां आकर मैं स्वयं को कृतार्थ अनुभव कर रही हूं। मैं देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतवासियों और रामभक्तों को नव वर्ष की आत्मिक बधाई देती हूं। नवरात्र के अंत में रामनवमी के दिन हम सब प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाएंगे। मैं सभी को 'नवमी तिथि, मधुमास पुनीता' यानी रामनवमी के दिन मनाए जाने वाले पावन पर्व की अग्रिम बधाई देती हूं।

जम्मू क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में आतंकी घटनाओं में आई उल्लेखनीय कमी

जम्मू, 19 मार्च । पहाड़ों और जंगलों में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा अपनाई गई सक्रिय और नवोन्मेषी रणनीति के परिणामस्वरूप जम्मू क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। सूत्रों ने बताया कि 2023-24 में पुंछ और राजौरी के सीमावर्ती जिलों और उधमपुर के ऊपरी इलाकों के साथ-साथ कठुआ के एक क्षेत्र में आतंकी हमले हुए जिससे सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं पैदा हुईं। सूत्रों ने बताया कि इसी चुनौतीपूर्ण दौर में नलिन प्रभात ने जम्मू-कश्मीर के डीजीपी के रूप में कार्यभार संभाला और दुर्गम इलाकों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए आतंकवाद विरोधी अभियानों का पुनर्गठन शुरू किया। डीजीपी प्रभात ने कार्यभार संभालने के तुरंत बाद ही इस क्षेत्र की अनूठी भौगोलिक चुनौतियों – घने जंगलों, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों और उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों को पहचान लिया। सूत्रों ने बताया किडीजीपी ने विशेष अभियान समूह (एसओजी) के भीतर एक विशेष परिचालन ढांचा पेश किया। इस रणनीति के तहत एसओजी के भीतर दो विशिष्ट समूह बनाए गए- स्नो लेपड्र्स और मार्खोर। स्नो लेपड्र्स यूनिट केंद्रीय रूप से स्थित है और मुख्य रूप से बर्फ से ढके और ऊंचे पर्वतीय शिखरों और चोटियों पर अभियान चलाने के लिए तैनात है। केंद्र शासित प्रदेश में फैली मार्खोर यूनिटें विशेष रूप से प्रशिक्षित हैं और उन्हें वन क्षेत्रों और पहाड़ी इलाकों पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए तैनात किया गया है, ये वे क्षेत्र हैं जिनका इस्तेमाल आतंकवादी समूह लंबे समय से घुसपैठ और छिपने के लिए करते रहे हैं।

सतीश शर्मा ने जम्मू में व्यापक बाजार जांच अभियान का नेतृत्व किया

जम्मू, 19 मार्च। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले (FCS&CA), आईटी, परिवहन, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा ने आज कटरा से जम्मू तक विभिन्न स्थानों पर एक व्यापक और सघन बाजार जांच अभियान का नेतृत्व किया। इस दौरान विशेष रूप से एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) की उपलब्धता और वितरण पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सक्रिय शासन और जमीनी स्तर पर निगरानी का प्रदर्शन करते हुए मंत्री ने कई एलपीजी गोदामों, वितरण केंद्रों और खुदरा बिक्री स्थलों पर अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने स्टॉक की स्थिति, वितरण रिकॉर्ड, बुकिंग एवं डिलीवरी प्रणाली तथा निर्धारित नियमों के अनुपालन की गहन समीक्षा की। साथ ही, उन्होंने उपभोक्ताओं, डिलीवरी कर्मियों और वितरकों से बातचीत कर उपलब्धता, मूल्य और सेवा वितरण के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान सतीश शर्मा ने कालाबाजारी, जमाखोरी, अधिक वसूली और एलपीजी की कृत्रिम कमी पैदा करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ऐसी किसी भी अनियमितता के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाएगी।

उन्होंने कहा, 卐जो भी व्यक्ति कालाबाजारी में लिप्त पाया जाएगा या उपभोक्ताओं का शोषण करेगा, उसके लिए कोई रियायत नहीं होगी। चाहे वह एलपीजी वितरक हो, डिलीवरी एजेंट या कोई अन्य मध्यस्थ, कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 में भारत 116वें स्थान पर

लंदन, 19 मार्च। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 में भारत 116वें स्थान पर रहा है, जो पिछले वर्ष के 118वें स्थान से दो पायदान ऊपर है, हालांकि यह नेपाल और पाकिस्तान से पीछे है।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट हर वर्ष 20 मार्च के आसपास, अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस के अवसर पर जारी की जाती है। इसमें 140 से अधिक देशों के कल्याण संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया जाता है, जिसे विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों के विशेषज्ञ शोधकर्ताओं द्वारा तैयार किया जाता है।

इस वर्ष की रिपोर्ट का विषय 'खुशी और सोशल मीडिया' रहा।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की समग्र 'हैप्पीनेस रैंकिंग' 2023 में 126, 2024 में 118 और 2026 में 116 रही है। हालांकि, कई मानकों पर भारत की स्थिति बेहतर रही। उदाहरण के लिए—भ्रष्टाचार की धारणा (corruption perception) में भारत 64वें स्थान पर, उदारता (दान) में 78वें, स्वतंत्रता (निर्णय लेने की आजादी) में 61वें, प्रति व्यक्ति जीडीपी (क्रय शक्ति समता के आधार पर) में 89वें, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा में 95वें तथा सामाजिक सहयोग (ज़रूरत के समय सहारा) में 123वें स्थान पर रहा।

बर्फबारी से जम्मू-कश्मीर में संपर्क बाधित, कई राजमार्ग बंद

श्रीनगर, 19 मार्च। जम्मू-कश्मीर के कई ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ताजा बर्फबारी के कारण सड़क संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके चलते प्रशासन ने श्रीनगर-कारगिल राजमार्ग सहित कई महत्वपूर्ण सड़कों को बंद कर दिया है।

एक अधिकारी ने बताया कि जोजिला मार्ग पर लगातार बर्फबारी के कारण, जिसमें मिनीमार्ग, द्रास और गुमरी क्षेत्र शामिल हैं, श्रीनगर-कारगिल राजमार्ग पर यातायात रोक दिया गया है। उन्होंने कहा, 卐भारी बर्फ जमाव और कम दृश्यता के चलते एहतियातन राजमार्ग बंद किया गया है। लगातार बर्फबारी से सड़क फिसलन भरी और खतरनाक हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि जोजिला कॉरिडोर में लगातार बर्फबारी जारी है, जिससे दृश्यता कम हो गई है और संवेदनशील इलाकों में हिमस्खलन (एवलांच) का खतरा बढ़ गया है। इस बंदी के कारण कश्मीर और कारगिल क्षेत्र के बीच सड़क संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। सीमा सड़क संगठन सहित सड़क साफ करने वाली एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और मौसम में सुधार होने के बाद बर्फ हटाने का कार्य शुरू किया जाएगा।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

कूल लुक में दिखें स्टाइलिश

जलती-चुभती गर्मी में कूल लुक के साथ स्टाइलिश दिखने के लिए इन दिनों युवतियों में पटियाला सलवार और कुर्ती का फैशन जोरों पर है। गर्मी के इस मौसम में सूती कपड़े से बना यह परिधान सब तरह की एक्सेसरीज के साथ मेल खाता है।

क्यों पसंद पटियाला स्टाइल

युवतियों और किशोरियों (टीनएजर्स) में इस वक्त पटियाला सलवार के साथ कुर्ती, ट्यूनिक और शॉर्ट टॉप पहनने का क्त्रेज है। इससे वह मॉडर्न और ट्रेडीशनल लुक दोनों में ही स्टाइलिश नजर आती है। सेक्टर-22 में बुटीक संचालिका रश्मि का कहना है कि गर्मी के इस मौसम में पटियाला सलवार काफी आरामदेह होती है। इसके साथ ही इसमें स्टाइल भी आसानी से मेंटेन हो जाता है। एक प्रिंटेड पटियाला सलवार एक रंग की कई कुर्तियों और टॉप के साथ मैच करके पहनी जा सकती है। वहीं एक रंग की पटियाला कई तरह के प्रिंटेड टॉप और कुर्ती के साथ चल जाती है। इस वजह से लड़किया इन दिनों पटियाला सलवार और कुर्ती पहनना पसंद कर रही हैं।

पटियाला एक स्टाइल अनेक

बीएड की छात्रा पल्लवी कहती हैं कि इस समर में ऐसा कपड़ा पहनना अच्छा लगता है, जिसकी आसानी से साज-संभाल की जा सके। खुली और सूती कपड़े से बनी पटियाला काफी सहूलियत देती है। इसके साथ कई प्रयोग भी किए जा सकते हैं। वेस्टर्न स्टाइल में चलना हो, तो इसके साथ ट्यूनिक या स्लीवलेस शॉर्ट टॉप टीम अप किया जा सकता है। ट्रेडीशनल दिखना हो, तो घुटने से ऊपर की कुर्ती पहनी जा सकती है। इसके साथ अपनी सुविधानुसार एक्सेसरीज और स्लीपर और नागरा शूज प्रयोग कर सकते हैं। एमबीए की छात्रा रोशनी बताती हैं कि स्थानीय बाजारों में पटियाला स्टाइल और कुर्ती किफायती दामों में मिल जाती है। लगभग तीन सौ रुपये में पटियाला सलवार और कुर्ती मिल जाती है। मल्टीकलर पटियाला सलवार के साथ प्लेन कलर की कोई भी कुर्ती और टॉप आसानी से पहना जा सकता है। इसके साथ स्टोल अलग लुक देता है।

स्थानीय बाजारों से शोरूम में पटियाला

सूती कपड़ा गर्मियों में शरीर को आराम देता है और इसमें थोड़ा स्टाइल आ जाए, तो कहना ही क्या। ऐसा स्टाइल पटियाला सलवार में देखने को मिल रहा है। स्थानीय बाजारों में पटियाला सलवार और कुर्ती की कीमत लड़कियों की पॉकेट की जद में है। अंड्डा और इंदिरा मॉर्केट में चार सौ रुपये में अपने मन के रंगों की पटियाला और कुर्ती लेने के लिए लड़कियों की भीड़ जमा रहती है। वहीं बड़े शोरूम में पाच सौ लेकर एक हजार रुपये में पटियाला सलवार और इसी रेंज में कुर्ती या ट्यूनिक लड़कियों को भा रहे हैं।

समर पार्टी लुक्स

गर्मियों का जिक्र आते ही हमें चिलचिलाती धूप, सनबर्न और पसीने की याद आती है और उलझन महसूस होने लगती है। ऐसे में किसी पार्टी में जाना हो तो समझ में नहीं आता कि कैसा मेकअप किया जाए जो लंबे समय तक टिका रहे और पार्टी का भरपूर आनंद भी उठाया जा सके। आपकी इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए सखी दे रही है 3 समर थीम पार्टी लुक्स। यहां पार्टी लुक के लिए तरीके बता रही हैं मेकअप आर्टिस्ट

चेहराः फेसवॉश से चेहरा साफ करने के बाद बर्फ को एक मलमल के कपड़े में लपेटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर पोंछकर मेल्ट प्रूफ फाउंडेशन ऊपर से नीचे की दिशा में लगाएं। उसके बाद ग्लो मिनरल ग्लो मॉइस्ट हाइड्रेशन मिस्ट लगाएं।

गाल : बेबी पिंक मिनरल पाउडर को ब्लशर की तरह इस्तेमाल करें।

आंखेंः पलकों पर पर्ली शेड का क्लिनिक क्विक आइज क्रीम शैडो लगाएं। बरौनियों पर बॉरज्वॉ वॉटरप्रूफ मैक्सी फ्रेंजमैक्सिमम लेंथ एंड वॉल्यूम मस्कारा लगाएं। निचली पलकों पर लाइट पर्पल कलर की लॉन्ग वेयर जेल आई पेंसिल से एक लाइन बनाएं।

होंठः नैचरल शेड वाला लोरियल का इन्फैलिएबल लिप ग्लॉस लगाएं।

चेहराः चेहरा साफ करने के बाद सनस्क्रीन युक्त लिक्विड फाउंडेशन लगाएं। फाउंडेशन से पहले आंखों के चारों ओर कंसीलर लगाएं।

आंखेंः वॉटरप्रूफ ट्रासपेरेंट मस्कारा का दो कोट लगाएं।

होंठः एसपीएफ युक्त पिंक या प्लम शेड का लिप ग्लॉस/बाम लगाएं।

चेहराः चेहरा साफ करने के बाद एसपीएफ युक्त मॉयस्चराइजर लगाएं। फिर मिरनल ग्लो शियर पाउडर से बेस बनाएं।

गाल : पीच/ब्रॉन्ज शेड का ब्लशर लगाएं।

आंखः पलकों पर गोल्डन डस्ट लगाएं। फिर गोल्डन ब्राउन क्रीम आई पेंसिल से आइलाइन बनाएं। लाइट ब्राउन ब्रो पेंसिल से आईब्रोज हाइलाइट करें। ब्राउन काजल पेंसिल लगाएं। वॉटरप्रूफ मैक्सिम लेंथ मस्कारा लगाएं।

होंठः लॉन्ग लास्टिंग पिंकिश शिमर लिप ग्लॉस लगाएं।

दुल्हन का चेहरा सुहाना लगता है..

शादी तो है जिंदगी का सबसे खूबसूरत पल। इसे लेकर तनाव कैसा.. अभी से करें अपनी देखरेख कुछ इस तरह कि खिल उठें संपूर्ण व्यक्तित्व..

- शादी को लेकर ज्यादा चिंतित न हों। तनावमुक्त रहना शुरू कीजिए।
- अच्छी सेहत के लिए भरपूर नींद लें। अच्छी नींद न सिर्फ सेहत के लिए, बल्कि स्किन के लिए भी लाभदायक होती है।
- अपने खानपान पर थोड़ा ध्यान दीजिए। सुबह नाश्ता करने के साथ-साथ एक गिलास केसरयुक्त दूध या जूस अवश्य लें। नाश्ते में पौष्टिक खाद्य पदार्थ ही लें। मैदा और जंकफूड से परहेज करें। दोपहर के भोजन में हरी सब्जियां, सलाद और दाल जरूर लें। रात को हल्का खाना ही खाएं।
- पानी खूब पिएं। दिनभर में कम से कम आठ-दस गिलास पानी अवश्य पिएं। इससे स्किन में निखार आता है।
- अगर किसी फिटनेस सेंटर जाना संभव न हो तो घर पर ही हल्के-फुल्के व्यायाम करें। चाहे रस्सी कूदें या बार-बार सीढ़ियां चढ़ें-उतरें। आप चाहें तो कमरे में गाना बजाकर थोड़ा-बहुत डांस भी कर सकती हैं।
- बालों की सप्ताह में दो-तीन दिन मालिश जरूर करें। मालिश करने के कुछ समय पश्चात किसी हर्बल या माइल्ड शैंपू से बाल धो लें।
- सुबह हो या शाम अच्छे प्रकार से दांतों की सफाई करें। अगर दांतों में किसी प्रकार की कोई दिक्कत है तो दंतरोग विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य करें। यह तो आपने भी सुना होगा कि मोती से चमकते दांत सबका मन मोह लेते हैं। दांतों के साथ-साथ जीभ की भी अच्छे से प्रतिदिन सफाई करें।
- चेहरे के साथ ही हाथों-पैरों और गर्दन, पेट व पीठ की भी देखभाल जरूरी है। कोई भी घरेलू उबटन बनाकर पूरे शरीर की सफाई करें। जितनी चमक चेहरे पर जरूरी है, उतनी है शरीर के अन्य हिस्सों पर भी।
- चेहरे की सफाई करने के बाद किसी अच्छी क्वालिटी की क्रीम से मसाज करें। इसके लिए आप चाहें तो किसी योग्य ब्यूटीशियन से परामर्श कर सकती हैं। ध्यान रहे कि चेहरे पर अनावश्यक प्रयोग न करें। ऐसा न हो कि रंग निखारने के चक्कर में चेहरा ही खराब हो जाए।
- रात में हाथों की किसी अच्छी क्रीम से मालिश जरूर करें। नाखूनों की भी नियमित सफाई करती रहें।
- पैर अगर खूबसूरत हों तो कहना ही क्या..। सुबह या शाम को गुनगुने पानी में आधा नींबू और थोड़ा सा गुलाबजल डालकर पैरों को इस पानी से धीरे-धीरे रुई की सहायता से रगड़िए। बाद में कोई हर्बल क्रीम भी लगा सकती हैं।
- आप चाहें तो सप्ताह में एक-दो बार मैनीक्योर व पैडीक्योर कर सकती हैं।
- कोहनी, घुटनों और एड़ियों की भी देखभाल करें। इसके लिए इन पर नींबू रगड़ें या मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल मिलाकर सफाई कर सकती हैं।
- त्वचा में निखार लाने के लिए सप्ताह में एक बार पपीते या केले को अच्छी तरह मसलकर इसमें चंदन का चूरा और गुलाबजल मिलाकर मसाज करें।
- सादा स्नान करने के बजाय पानी में गुलाब की पत्तियां डालकर थोड़ी देर के लिए रख दें। फिर इस पानी से स्नान करें। आप चाहें तो बेला या चमेली के फूल भी प्रयोग कर सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

आप हमारे हैं कौन' ने रचा इतिहास, नेशनल थिएटर फेस्टिवल में एकमात्र बाल नाटक का चयन

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। प्रख्यात रंगनिर्देशक बलवंत ठाकुर के चर्चित बाल नाटक आप हमारे हैं कौन ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 26वें राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव अमृतसर 2026 में चयनित होने वाला एकमात्र बाल नाटक बनने का गौरव प्राप्त किया है। यह प्रतिष्ठित महोत्सव 21 से 30 मार्च 2026 तक अमृतसर में आयोजित होगा जिसमें यह नाटक 25 मार्च को विरसा विहार में मंचित किया जाएगा।

साल 1994 में लिखे गए इस नाटक ने देश का सबसे लंबे समय तक मंचित होने वाला बाल नाटक बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। तीन दशकों से अधिक समय से लगातार प्रासंगिक बने रहने के साथ यह 300 से अधिक प्रस्तुतियों के जरिए देशभर में दर्शकों का दिल जीत चुका है। यह उपलब्धि न केवल भारत बल्कि वैश्विक रंगमंच के इतिहास में भी एक अनूठा उदाहरण मानी जा रही है। दिल्ली, शिमला, चंडीगढ़, श्रीनगर, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और बेंगलुरु सहित देश के अनेक प्रमुख शहरों में मंचित इस नाटक को दर्शकों की भारी मांग पर बार-बार प्रस्तुत किया गया है जो इसकी लोकप्रियता और प्रभाव का प्रमाण है। हाल ही में इसे दिल्ली में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव में भी सराहा गया। इस नाटक की खासियत इसकी बाल-केंद्रित सोच है। बलवंत ठाकुर के अनुसार पारंपरिक बाल रंगमंच में बच्चों को अक्सर वयस्क ढांचे में ढालने की कोशिश की जाती है जो उनकी कल्पना और अनुभव से मेल नहीं खाता। इस सोच से अलग हटते हुए इस नाटक में बच्चों को केवल कलाकार नहीं बल्कि सह-निर्माता के रूप में शामिल किया गया है, जहां उनकी कल्पनाशीलता, खेल और अभिव्यक्ति को पूरी स्वतंत्रता दी गई। आप हमारे हैं कौन केवल एक नाटक नहीं बल्कि एक जीवंत संस्थान बन चुका है। 1994 की मूल टीम के कई बच्चे आज सफल रंगकर्मी और कलाकार बन चुके हैं, जो इसके विचार और शैली को आगे बढ़ा रहे हैं।

कठुआ में बदला मौसम का मिजाज, बारिश-बर्फबारी से बढ़ी ठंड, किसानों की चिंता बढ़ी

कठुआ, 19 मार्च (हि.स.)। जिले में इस सप्ताह रुक-रुक कर हो रही बारिश ने एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल दिया है। गुरुवार को चैत्र नवरात्रि के पहले दिन दोपहर बाद शुरू हुई बारिश देर तक जारी रही, जबकि बुधवार को भी बीच-बीच में बारिश दर्ज की गई थी। लगातार हो रही इस बरसात से तापमान में गिरावट आई है और ठंड एक बार फिर लौट आई है।

मैदानी इलाकों में जहां बारिश हो रही है, वहीं कठुआ के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बीते दो सप्ताह पहले जहां गर्मी का असर तेज हो गया था और लोगों ने सर्दियों के कपड़े समेट दिए थे, वहीं अब अचानक बदले मौसम के कारण उन्हें फिर से गर्म कपड़े निकालने पड़े हैं। लगातार बारिश के चलते जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी से आवाजाही में दिक्कतें बढ़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार 20 मार्च को भी बारिश की संभावना बनी हुई है, जबकि इसके बाद मौसम साफ रहने के आसार हैं।

मार्च के शुरुआती दिनों में हुई हल्की बारिश को किसानों ने फसलों के लिए लाभकारी माना था और अच्छी पैदावार की उम्मीद जताई थी। लेकिन अब लगातार हो रही बारिश ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। इस समय फसलें पककर तैयार हैं और ऐसे में अधिक बारिश या तेज हवा चलने पर फसल खराब होने का खतरा मंडरा रहा है। गौरतलब है कि फरवरी में इस बार गर्मी ने जल्दी दस्तक दे दी थी, लेकिन मार्च में हो रही बारिश ने एक बार फिर मौसम को ठंडा बना दिया है। फिलहाल किसानों और आम लोगों की नजरें मौसम के अगले रुख पर टिकी हुई हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल आयोजित, आपात स्थिति से निपटने का दिया प्रशिक्षण

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज विभाग द्वारा कुलपति प्रो. संजीव जैन के संरक्षण में फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज कमांड, सांबा-कठुआ के सहयोग से फायर फाइटिंग और इमरजेंसी रिस्पॉन्स विषय पर एक व्यापक मॉक ड्रिल सह प्रदर्शन का आयोजन डीडीई भवन में किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. नीता रानी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अनुराधा चौधरी द्वारा स्वागत भाषण से हुई जिसमें उन्होंने आगजनी जैसी आकस्मिक घटनाओं से निपटने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा संस्कृति विकसित करने में ऐसे आयोजनों की अहम भूमिका को रेखांकित किया।

इसके बाद दर्शन सिंह और जोगराज सिंह ने आग के प्रकार, उसके कारणों और बचाव के उपायों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने फायर सेफ्टी उपकरणों के उपयोग और घरेलू स्तर पर अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। सत्र के अंत में प्रश्नोत्तर कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने अपने सवाल रखे। व्याख्यान के पश्चात भवन के बाहर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज की टीम, घर सिंह, रज़ाक हुसैन और विनोद कुमार सहित, ने लाइव प्रदर्शन के माध्यम से आग बुझाने की तकनीक और सुरक्षित निकासी (एवैक्यूएशन) की प्रक्रिया सिखाई। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डॉ. आर. सुधाकर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कठुआ जिला के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने माता के चरणों में लगाई हाजरी, सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम

कठुआ, 19 मार्च (हि.स.)। गुरूवार को चैत्र नवरात्रि उत्सव शुरू हो गया है। पहले नवरात्रि पर जिला कठुआ के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने माथा टेका और माता के चरणों में हाजिरी लगाई। वहीं बढ़ती आंतकी घटनाओं के चलते नवरात्रों को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं। गुरूवार से चैत्र नवरात्रि उत्सव के पहले दिन जिला कठुआ के अधीन पड़ते सभी मंदिरों में

हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने माता के चरणों में हाजिरी लगाई। सभी भक्तों ने व्रत एवं पूजा अर्चना को लेकर उत्साहित दिखे। गुरूवार की सुबह लोगों ने अपने घरों में पूजा अर्चना कर माता की अखंड ज्योति अपने घरों में जलाई। इसके बाद लोगों ने विभिन्न मंदिरों में जाकर माता रानी के चरणों में माथा टेका। जिलाभर के सभी देवी मंदिरों में माता बाला सुंदरी, जसरोटा माता मंदिर, शेर कोटला मंदिर, आशापूर्णी मंदिर, सुकराला देवी मंदिर, जोड़ियां माता मंदिर सहित अन्य मंदिरों में विशेष सजावट देखी गई। इसके अलावा कठुआ के राजबाग में स्थित जसरोटा देवी मंदिर, बसोहली में जोड़ियां माता मंदिर, बिलावर में सुकराला देवी मंदिर एवं बाला सुंदरी मंदिर में पहले नवरात्रि पर काफी संख्या में श्रद्धालु देवी मां के दर्शन व पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। जहां पर दिन भर विभिन्न कार्यक्रम चले, सुबह और शाम श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ी। जहां विशाल मेले भी लगाए गए। नवरात्रों को लेकर सभी मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। इसके अलावा मंदिर के बाहर प्रसाद आदि की दुकानें भी सजाई गई हैं। बाजारों में भी माता की पोशाक की दुकानें सजी हुई हैं। नवरात्रि को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। वही बीते दिनों बढ़ती आंतकी घटनाओं के चलते नवरात्रों को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं। हालांकि गुरूवार को दोपहर के बाद लगातर बारिश में भी श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई। बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं ने माता के मंदिरों में हाजरी लगाई।

एसएमवीडीयू में 'वर्चुअल लैब्स' पर कार्यशाला आयोजित, 121 छात्रों ने लिया भाग

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। कटड़ा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग द्वारा वर्चुअल लैब्स卐 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के सहयोग से संपन्न हुई जिसका उद्देश्य छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव के बीच की दूरी को कम करना था। कार्यशाला का संचालन आईआईटी रुड़की के वर्चुअल लैब्स प्रोजेक्ट से जुड़े प्रोजेक्ट एसोसिएट्स चेतन धीमान और अमित कुमार शर्मा ने किया। उन्होंने छात्रों को वर्चुअल लैब प्लेटफॉर्म के उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी और विभिन्न प्रयोगों का लाइव प्रदर्शन कराते हुए इसकी उपयोगिता समझाई।

कार्यक्रम में कुल 121 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेषज्ञों ने शिक्षा मंत्रालय भारत की एनएमईआईसीटी पहल के अंतर्गत विकसित वर्चुअल लैब्स की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह तकनीक कैसे पारंपरिक प्रयोगशाला शिक्षण को प्रभावी रूप से पूरक बनाती है। इस कार्यशाला का समन्वयन डॉ. विक्रम सिंह ने किया जबकि डॉ. अनिल कुमार भारद्वाज और डॉ. नीरज त्रिपाठी ने किया ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्रों की सराहना करते हुए इसे ज्ञानवर्धक बताया। आयोजकों ने विश्वविद्यालय प्रशासन, कुलपति, रजिस्ट्रार और सभी संकाय सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

चैत्र नवरात्र पर एसएसपी मोहिता शर्मा का संदेश-शांति और सौहार्द की कामना

कठुआ, 19 मार्च (हि.स.)। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा ने जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

अपने संदेश में एसएसपी मोहिता शर्मा ने कहा कि जिला पुलिस कठुआ के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी नागरिकों, पुलिस शहीदों के परिजनों तथा सेवारत और सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों के परिवारों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पवित्र त्योहार समाज में शांति, भाईचारा और आपसी सौहार्द को और अधिक मजबूत करेगा।

साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि इस अवसर पर मिलजुल कर पर्व मनाएं और सामाजिक एकता को बढ़ावा दें।

सैनिक कॉलोनी के नागरिकों ने भेदभाव के आरोप लगाए

जम्मू,, 19 मार्च (हि.स.)। जम्मू के सैनिक कॉलोनी के सम्मानित नागरिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसायटी जम्मू-कश्मीर मोहम्मद शफी चक से मुलाकात कर कॉलोनी से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया।

प्रतिनिधिमंडल ने रजिस्ट्रार को बताया कि कॉलोनी में नागरिकों और फौजी निवासियों के बीच एक प्रकार का विभाजन बढ़ रहा है, जिसमें नागरिकों के साथ भेदभाव और अनावश्यक उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की स्थिति से कॉलोनी का आपसी सौहार्द प्रभावित हो रहा है और लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाता और प्रशासनिक मामलों में भी उनके साथ असमान व्यवहार किया जाता है, जबकि कॉलोनी में उनकी संख्या अधिक है। रजिस्ट्रार मोहम्मद शफी चक ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के भेदभाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पारदर्शिता तथा न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि जल्द ही आवश्यक कदम उठाकर कॉलोनी में समानता, न्याय और एकता को बहाल किया जाएगा।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना पत्र संख्याः- OP-03-GSU-FZR-2025-26 **दिनांक : 17.03.2026**

उप मुख्य अभियंता/जी.एस.यू. फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई- निविदाएं, अंतिम तिथि तिथि 09.04.2026 समय 11:30 बजे तक, **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल / संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। निविदाकर्ता निविदा-पत्र की बयाना राशि की जगह निविदा सुरक्षा घोषणा पत्र निर्धारित प्रारूप में निविदा के साथ ई-पोर्टल पर संलग्न करेगा।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	निविदा प्रणाली
खुली निविदा	गति शक्ति इकाई	दो पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	निविदा प्रारंभ की तिथि	निविदा समापन की तिथि तथा समय
17.03.2026	26.03.2026	09.04.2026 / 11:30 Hrs.

क्र.	निविदा संख्या , तारीख	निविदा का विवरण
1	OP-03-GSU-FZR-2025-26 Date: 09/04/2026	के.के.पी रेलवे स्टेशन पर एबीएसएस के शेष कार्यों के अंतर्गत दूसरे प्रवेश द्वार का विकास तथा प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 का नवीनीकरण एवं अन्य विविध कार्य।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	समापन की अवधि	ऑफर की वैधता
13,38,12,205.29	26,76,200.00	90 दिन	7 महीने

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे।
2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **919/26**

नियमों के उल्लंघन के लिए 35 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त

राजौरी, 19 मार्च (हि.स.)। राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने आज आवश्यक वस्तुओं से संबंधित नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और अनियमितताओं की जाँच के लिए शहर के विभिन्न बाजारों में अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने एक गैस एजेंसी का दौरा किया और उसके कामकाज की समीक्षा की। अभियान को आगे बढ़ाते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को सलानी मार्केट स्थित एक पिज्जा शॉप से अनाधिकृत उपयोग के लिए दो एलपीजी सिलेंडर जब्त करने का निर्देश दिया। मंडी चौक पर इसी तरह के उल्लंघन के लिए 卐वेलकम होटल卐 नामक एक होटल से तीन एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए। इसके अलावा निरीक्षण के दौरान राजू स्वीट शॉप से एक एलपीजी सिलेंडर जब्त किया गया। उपायुक्त ने स्वच्छता मानकों, दरों और नियमों के समग्र अनुपालन की जाँच करते हुए बाजारों का यादृच्छिक निरीक्षण भी किया। उन्होंने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग न करने का सख्त निर्देश दिया और चेतावनी दी कि उल्लंघन करने पर कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मधुमक्खी पालकों के लिए सात दिवसीय वैज्ञानिक प्रशिक्षण का समापन

श्रीनगर, 19 मार्च (हि.स.)। कश्मीर कृषि निदेशालय ने आज कश्मीर मंडल के मधुमक्खी पालकों के लिए वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर आयोजित सात दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन किया। समापन समारोह श्रीनगर के लालमंडी स्थित कृषि परिसर में आयोजित किया गया। 13 मार्च, 2026 को शुरू हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कश्मीर कृषि निदेशक सरताज अहमद शाह ने किया। इसका उद्देश्य मधुमक्खी पालन को एक स्थायी आजीविका विकल्प के रूप में बढ़ावा देना और मौजूदा एवं इच्छुक मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी पालन की आधुनिक, वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराना था। सत्रों में मधुमक्खी पालन प्रबंधन, रोग निवारण एवं नियंत्रण, शहद निकालने की उन्नत विधियाँ, छत्ते के उत्पादों में मूल्यवर्धन और बागवानी एवं तिलहन फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए परागण सेवाओं को बेहतर बनाने की रणनीतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। यह कार्यक्रम कश्मीर घाटी में मधुमक्खी पालन प्रथाओं को सुदृढ़ करने के लिए विभाग की व्यापक पहल का हिस्सा था जिससे शहद उत्पादन को बढ़ावा मिले, ग्रामीण रोजगार को समर्थन मिले और बेहतर परागण के माध्यम से कृषि स्थिरता में योगदान हो। समापन समारोह के दौरान संयुक्त निदेशक (इनपुट्स), सोहन सिंह ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले उत्साही मधुमक्खी पालकों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कश्मीर कृषि निदेशालय को इतने ज्ञानवर्धक और व्यावहारिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि सत्रों ने उन्हें वैज्ञानिक विधियों की बहुमूल्य जानकारी प्रदान की जिससे उन्हें छत्ते की उत्पादकता बढ़ाने, कॉलोनियों का अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने और उन्नत मधुमक्खी पालन प्रथाओं के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पीएलआई योजना पर बैंकों में विवाद गहराया, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने जताई कड़ी आपत्ति

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। बैंक यूनियनों का संयुक्त मंच ने वित्त मंत्रालय के अधीन वित्तीय सेवा विभाग द्वारा 18 मार्च को जारी उस निर्देश पर कड़ी आपत्ति जताई है जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वरिष्ठ अधिकारियों के लिए परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव लागू करने को कहा गया है। यूनियन का कहना है कि यह फैसला समय से पहले और अनुचित है, क्योंकि यह मुद्दा अभी मुख्य श्रम आयुक्त केंद्रीय के समक्ष सुलह प्रक्रिया में विचाराधीन है। यूएफबीयू के अनुसार, 9 मार्च 2026 को हुई बैठक में इस विषय पर चर्चा जारी थी और इसे द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से सुलझाने पर सहमति बनी थी। ऐसे में महज नौ दिन बाद डीएफएस द्वारा निर्देश जारी करना सुलह प्रक्रिया की अनदेखी है और इससे औद्योगिक संबंधों की स्थापित परंपराओं को ठेस पहुंचती है। यूनियन ने यह भी आरोप लगाया कि यह नई पीएलआई योजना मौजूदा द्विपक्षीय समझौतों के विपरीत है जिसमें सभी कर्मचारियों के लिए समान दर पर प्रोत्साहन निर्धारित होता है। नई व्यवस्था के तहत स्केल-4 और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए व्यक्तिगत प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन लागू किया जा रहा है जिससे कर्मचारियों के बीच असमानता बढ़ने का खतरा है। बैंक यूनियनों का संयुक्त मंच ने योजना के वित्तीय प्रभावों पर भी चिंता जताई है। जहां मौजूदा व्यवस्था में पीएलआई अधिकतम 15 दिनों के वेतन तक सीमित है, वहीं नई योजना में इसे 365 दिनों तक बढ़ाने का प्रावधान है जिससे बैंकों पर वित्तीय बोझ कई गुना बढ़ सकता है। यूनियन का कहना है कि इस तरह की असमान और चयनित प्रोत्साहन प्रणाली कर्मचारियों के बीच विभाजन पैदा कर सकती है, जिससे टीम भावना और कार्यस्थल का माहौल प्रभावित होगा। साथ ही, इससे बैंकिंग क्षेत्र की स्थिरता और छवि पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है। अंत में यूएफबीयू ने वित्तीय सेवा विभाग, भारतीय बैंक संघ और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंधन से अपील की है कि वे इस निर्देश को एकतरफा लागू न करें और सुलह प्रक्रिया के तहत आपसी सहमति से समाधान निकालें ताकि औद्योगिक सौहार्द और संस्थागत संतुलन बना रहे।

रमजान पहुंच कार्यक्रम- डोडा में जरूरतमंद परिवारों को नि:शुल्क राशन किट वितरित

अमीर इकबाल खान

भद्रवाह, 19 मार्च । पवित्र रमजान माह के दौरान जरूरतमंदों की सहायता के उद्देश्य से एक गैर सरकारी संगठन ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में गरीब और वंचित परिवारों को नि:शुल्क राशन किट वितरित किए।

यह पहल ऑल इंडिया पीपल्स वेलफेयर सोसायटी द्वारा की गई, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को रमजान के महीने में राहत प्रदान करना तथा उन्हें आगामी ईद पर्व गरिमा के साथ मनाने में सहयोग देना है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमीर इकबाल खान के मार्गदर्शन में टीमों ने नरनू, सरना, गाथा, उद्राना, खाई मोहल्ला (वार्ड संख्या 09), मोहल्ला ठारा, सुंगली, सिरतंगल और नल्थी सहित कई क्षेत्रों में वितरण अभियान चलाया।

राशन किट में चावल, आटा और अन्य आवश्यक सामग्री शामिल थी, जिन्हें चिन्हित लाभार्थियों के बीच संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जफ्फर हुसैन वानी के नेतृत्व में वितरित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव उमर फारूक तक, सचिव बद्री नाथ, कोषाध्यक्ष मोहम्मद सलीम बट्ट, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष अफरोजा बेगम तथा प्रबंध आयोजक अनिकेत शर्मा भी उपस्थित रहे। इस मौके पर वानी ने कहा कि संगठन सदैव जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध है, विशेषकर जरूरत के समय में। उन्होंने कहा, 卐हमारा मूल उद्देश्य समाज की सेवा करना है। रमजान के इस पवित्र महीने में हमने गरीब और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया है ताकि वे भी ईद का त्योहार सम्मानपूर्वक मना सकें। संगठन की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया कि यह पहल सामाजिक कल्याण और साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी महत्वपूर्ण धार्मिक अवसर पर समाज का कोई भी वर्ग पीछे न रहे।

सुल्तानपुर में 22 मार्च को भव्य माता कंजक देवी जागरण, तैयारियां अंतिम चरण में

जम्मू, 19 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के सुल्तानपुर (बिश्नाह) स्थित जय कंजक देवी स्थान में 22 मार्च को भव्य माता कंजक देवी जागरण के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

आयोजन समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम की रूपरेखा, तैयारियों और श्रद्धालुओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

आयोजकों ने बताया कि यह जागरण चैत्र नवरात्र के चौथे दिन आयोजित किया जाएगा जो रविवार शाम 7 बजे शुरू होगा। स्थानीय लोगों के सहयोग से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रेस वार्ता में चमन लाल केरनी, सुदेश कुमार, द्वारका नाथ शर्मा, सतीश शर्मा, रामजी शर्मा, नितिन शर्मा, विशाल शर्मा, जीत राज शर्मा और दीपक शर्मा सहित कई गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और कार्यक्रम को भव्य व सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक सोनाली डोगरा, नारायण भारती, अंकुश शर्मा और हैप्पी राही अपनी प्रस्तुतियों से भक्तिमय माहौल बनाएंगे। संगीत निर्देशन राम पॉल द्वारा किया जाएगा जबकि कार्यक्रम का संचालन परवीन शर्मा करेंगे।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैठने, पेयजल और प्रसाद वितरण की समुचित व्यवस्था की गई है। साथ ही, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किए जा रहे हैं ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में भाग लेकर माता कंजक देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए मीडिया का भी आभार व्यक्त किया गया।

संपादकीय

सतर्क रहें, जीवन बचाएं

हालांकि यह सभी जानते हैं कि हाथ में मोबाइल फोन लेकर गाड़ी चलाना एक खतरनाक कार्य है, लेकिन इसके बावजूद लगभग सभी यात्री इस आदत में लिप्त हैं, जिससे सड़कों पर खतरा बढ़ रहा है। जम्मू-कश्मीर की सड़कें मोड़ों और घुमावों से भरी होती हैं, जिससे उन लोगों के लिए हालात संभालना और भी मुश्किल हो जाता है जो गाड़ी चलाते समय फोन पर बात कर रहे होते हैं या रील्स देख रहे होते हैं।

यह एक कठोर सच्चाई है कि मोबाइल फोन का उपयोग वाहन चलाने वाले व्यक्ति के मन और इंद्रियों को भटका देता है। इसलिए लोगों को गाड़ी चलाते समय मोबाइल का उपयोग करने से पहले सौ बार सोचना चाहिए, क्योंकि एक पल की लापरवाही भी घातक सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है।

आज लगभग हर व्यक्ति के पास मोबाइल फोन है, जिससे सड़कों की स्थिति और भी गंभीर हो गई है। किसी को नहीं पता कि व्यस्त समय में कौन व्यक्ति फोन पर बात कर रहा है और दुर्घटना का कारण बन सकता है, जो कभी-कभी मौत और विनाश का रूप ले लेती है।

आजकल युवाओं में हर कॉल उठाने और हर संदेश का तुरंत जवाब देने की आदत बढ़ती जा रही है, बिना इसके खतरनाक परिणामों के बारे में सोचे। इस मामले में ट्रैफिक पुलिस से बहुत अधिक उम्मीद करना सही नहीं है, क्योंकि पुलिसकर्मी हर वाहन के अंदर नहीं देख सकते और यह पहचानना भी मुश्किल है कि कोई व्यक्ति स्पीकर पर बात कर रहा है या नहीं। इसलिए यह जिम्मेदारी वाहन चालक की है कि वह जिम्मेदार व्यवहार अपनाए और गाड़ी चलाते समय फोन कॉल या मैसेजिंग से बचे, क्योंकि ऐसी लापरवाही न केवल उसकी बल्कि अन्य लोगों की जान को भी खतरे में डालती है।

अक्सर देखा जाता है कि लोग स्कूटी चलाते समय मोबाइल फोन को कंधे और सिर के बीच दबाकर या हाथ में पकड़कर बात करते हैं। दोनों ही तरीके बेहद खतरनाक हैं और दुर्घटना को न्योता देते हैं। इसलिए स्कूटी और अन्य दोपहिया वाहन चलाते समय इस तरह फोन पर बात करने की आदत को तुरंत छोड़ना जरूरी है, क्योंकि इंसानी जीवन से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

सभी सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि लोग वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग के खतरों को समझें और इस खतरनाक आदत को खत्म करने के लिए जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार अपनाएं।

प्रकृति की नन्हीं दूत है चिड़िया

विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

> **आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकनेवाली छोटी-सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बड्र्स' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला था।**

विश्व गौरैया दिवस नन्हीं घरेलू गौरैया और अन्य पक्षियों को समर्पित है। गौरैया की संख्या में हो रही तीव्र गिरावट के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोगों को इन परिचित पक्षियों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु यह दिवस प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य गौरैया संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए अपने आसपास के माहौल को बेहतर करना है। विश्व गौरैया दिवस 2026 एक बार फिर दुनिया को याद दिलाएगा कि आम पक्षियों को भी देखभाल और उसपर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। कभी उपेक्षित समझी जाने वाली गौरैया अब कई कस्बों और शहरों से गायब हो रही हैं, जो इस दिन को रोजमर्रा की जैव विविधता और स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य के प्रति चिंता का प्रतीक बनाती है।

गौरैया मानव इतिहास के सबसे परिचित पक्षियों में से एक हैं। वे घरों, खेतों, बाजारों और शहरी सड़कों के पास पाई जाती हैं। उनकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि किसी क्षेत्र में अभी भी पर्याप्त भोजन, सुरक्षित घोंसले बनाने की जगह और बुनियादी पारिस्थितिक संतुलन मौजूद है। गौरैया की मधुर चहचहाहट कई देशों में सुबह और शाम के जीवन का अभिन्न अंग रही है। गौरैया छोटे, फुर्तीले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है।

जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको घर के आंगन में सबसे अधिक जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्हीं चिड़िया यानी गौरैया होती है।

यह चिड़िया बचपन से हमारी साथी बन जाती है जो बच्चों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपट कर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव-देहातों में यह आज भी देखने को मिल जाता है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा।

गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों, गांवों और खेतों के आसपास यह बहुतयात से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते हैं। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं।

गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती। कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भागदौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके।

गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारों का कहना है कि यह चिड़िया शांति और सद्भावना का संदेश लेकर आती है।

आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकनेवाली छोटी-सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बड्र्स' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को 'रेड लिस्ट' में डाला था। वहीं, आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह कमी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुई है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। जबकि स्टेट ऑफ इंडियाज बड्र्स एसओआईबी रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले 25 सालों में गौरैया की आबादी कुल मिलाकर काफी स्थिर रही है। हालांकि भारत में हाउस स्पैरो की संख्या कम होने की आम धारणा है। गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता को लेकर दिल्ली सरकार ने 2012 और बिहार सरकार ने 2013 से गौरैया को राजकीय पक्षी घोषित कर रखा है।

कभी हमारे घर-आंगन में गिरे अनाज खाने गौरैया फुर्र से आती थी और दाना चुगकर उड़ जाती थी। हालांकि गांवों में आज भी कई घरों में गौरैया आ रही है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे कई कारण हैं जिन पर लगातार शोध हो रहे हैं। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में आहार की कमी, बढ़ता आवासीय संकट, कीटनाशक का व्यापक प्रयोग, जीवन-शैली में बदलाव, प्रदूषण और मोबाइल फोन टावर से निकलने वाले रेडिएशन को दोषी बताया जाता रहा है।

गौरैया की संख्या में कमी के पीछे बेतहाशा कीटनाशक का प्रयोग को माना जा रहा है। गौरैया के प्रजनन के लिए अनुकूल आवास में कमी को भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण माना जा रहा है। कच्चे घरों का तेजी से कंक्रीट के जंगलों में तब्दील होने से शहरों में इनके प्रजनन के लिए अनुकूल आवास नहीं मिलते हैं। यही वजह है कि एक ही शहर के कुछ इलाकों में ये दिखती है तो कुछ में नहीं। गौरैया संरक्षण में जुड़े लोग कृत्रिम घर बनाकर गौरैया को प्रजनन के लिए आवास देने की पहल चला रहे हैं। इसमें गौरैया अंडे देने के लिए आ भी रही हैं।

जहां तक गौरैया का सवाल है यह इन्सानों की दोस्त तथा किसानों की मददगार है। गौरैया इन्सान के साथ रहते हुए उन्हें सुख-शांति प्रदान करती हैं। बच्चों का बचपन इसके साथ खेलते हुए गुजरता है। लेकिन हम इन्सानों ने ही इसे अपने से दूर कर दिया है। भारत में पक्षियों की कुल मिलाकर 1250 प्रजातियां हैं। जिनमें से 85 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। जिसमें गौरैया का भी नाम शामिल है। गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घोंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घोंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी-सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। ऐसे में उसकी रक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

बेटे-बेटियों को विदेश भेजने की होड़

- डॉ. प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में नई प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है, बेटे-बेटियों को विदेश भेजने की होड़। कभी पढ़ाई के नाम पर, कभी नौकरी के नाम पर, तो कभी बेहतर जीवन के सपने के साथ। कई परिवारों में यह उपलब्धि की तरह प्रस्तुत किया जाता है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। किसी का कनाडा जाना, किसी का ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जाना-यह सब मानो सफलता की पहचान बन गया है। धीरे-धीरे यह धारणा बनती जा रही है कि यदि भविष्य बनाना है तो विदेश जाना पड़ेगा। लेकिन यह सवाल गंभीरता से पूछने की जरूरत है कि क्या वास्तव में भारत में अवसरों की कमी है? क्या इस देश में प्रतिभा के लिए जगह नहीं बची? या फिर हम स्वयं अपने देश की संभावनाओं को कम आंकने लगे हैं? भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है। तकनीक, उद्योग, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में लगातार नए अवसर पैदा हो रहे हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं। लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। छोटे शहरों और कस्बों से निकल कर युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। ऐसे में यह मान लेना कि भविष्य केवल विदेश में ही है, एक अधूरी और जल्दबाजी वाली सोच लगती है।

विदेश जाने की एक बड़ी वजह शिक्षा भी है। कई छात्र यह सोचकर विदेश जाते हैं कि वहाँ की पढ़ाई बेहतर है या वहाँ अवसर अधिक हैं। कुछ मामलों में यह सही भी हो सकता है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि कई छात्र केवल इसलिए विदेश चले जाते हैं क्योंकि उन्हें भारत में मनचाहे कॉलेज या कोर्स में प्रवेश नहीं मिल पाता। प्रतियोगिता कठिन है, सीटें सीमित हैं और हर किसी को प्रतिष्ठित संस्थानों में जगह नहीं मिल पाती। ऐसे में विदेश जाना विकल्प बन जाता है। लेकिन इस विकल्प को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना देना चिंताजनक है। आज स्थिति यह हो गई है कि कई जगहों पर माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने को लेकर एक तरह का दबाव महसूस करते हैं। रिश्तेदारों, परिचितों और समाज के बीच यह दिखाने की कोशिश होती है कि उनका बच्चा विदेश में पढ़ रहा है या काम कर रहा है। कई बार परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खर्च उठाकर भी बच्चों को विदेश भेज देते हैं। शिक्षा ऋण, कर्ज और आर्थिक बोझ के बावजूद यह निर्णय केवल इसलिए लिया जाता है क्योंकि इसे सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। इंटरनेट पर विदेश में रहने वाले युवाओं की चमकदार तस्वीरें दिखाई देती हैं- खूबसूरत शहर, शानदार जीवनशैली, घूमना-फिरना, नए अनुभव। लेकिन इन तस्वीरों के पीछे का संघर्ष अक्सर दिखाई नहीं देता। विदेश में जीवन आसान नहीं होता। वहाँ भी कठिन परिश्रम करना पड़ता है, अकेलेपन का सामना करना पड़ता है और कई बार ऐसे काम भी करने पड़ते हैं जिनकी कल्पना भारत में रहते हुए नहीं की जाती। लेकिन यह सच्चाई अक्सर तस्वीरों और वीडियो के पीछे छिप जाती है। समस्या विदेश जाने में नहीं है। समस्या उस मानसिकता में है जिसमें विदेश को सफलता का पर्याय बना दिया गया है। दुनिया को देखने, नई शिक्षा और अनुभव प्राप्त करने के लिए विदेश जाना अच्छा अवसर हो सकता है। कई भारतीय छात्र विदेश में उच्च शिक्षा लेकर नई तकनीक और ज्ञान प्राप्त करते हैं और बाद में देश के विकास में योगदान भी देते हैं। लेकिन जब यह निर्णय समझदारी के बजाय भीड़ का हिस्सा बनकर लिया जाता है, तब कई बार परिणाम निराशाजनक भी हो सकते हैं। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है। आज का युवा पहले से अधिक जागरूक, शिक्षित और तकनीक से जुड़ा हुआ है। स्टार्टअप संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। छोटे शहरों के युवा भी बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। डिजिटल युग में अवसरों की सीमाएँ पहले जैसी नहीं रहीं। आज भारत में बैठकर भी दुनिया के साथ काम किया जा सकता है। जरूरत इस बात की है कि हम अपने बच्चों को सक्षम बनाएं। उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए, उनमें कौशल विकसित करे और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दे। अगर युवा योग्य होंगे तो उन्हें अवसर कहीं भी मिल सकते हैं- भारत में भी और विदेश में भी। लेकिन यदि केवल स्थान बदलने से सफलता की उम्मीद की जाएगी, तो यह सोच लंबे समय तक टिक नहीं पाएगी। समाज को भी अपनी सोच पर विचार करने की आवश्यकता है। विदेश जाना न तो असंभव उपलब्धि है और न ही सफलता का एकमात्र रास्ता। उसी तरह भारत में रहना असफलता नहीं है। हमारे देश ने हर क्षेत्र में प्रतिभाएँ दी हैं- विज्ञान, साहित्य, खेल, राजनीति, उद्योग और तकनीक में। दुनिया के कई बड़े मंचों पर भारतीय अपनी पहचान बना चुके हैं। यह सब यहीं से शुरू हुआ है। एक और चिंता का विषय प्रतिभा का देश से बाहर जाना भी है। कई वर्षों तक 'ब्रेन ड्रेन' की चर्चा होती रही है। हालांकि अब स्थिति बदल रही है और कई लोग विदेश से अनुभव लेकर वापस भी लौट रहे हैं। फिर भी यह जरूरी है कि देश का युवा अपने देश की संभावनाओं पर विश्वास बनाए रखे। अगर योग्य लोग ही देश से दूर चले जाएंगे तो विकास की गति भी प्रभावित हो सकती है। माता-पिता, शिक्षक और समाज- तीनों की भूमिका यहाँ महत्वपूर्ण है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि सफलता किसी देश की मोहताज नहीं होती। असली पहचान मेहनत, ज्ञान और चरित्र से बनती है। विदेश जाना यदि शिक्षा और अनुभव के लिए है तो यह अच्छी बात है लेकिन केवल दिखावे या सामाजिक दबाव के कारण लिया गया निर्णय कई बार भारी पड़ सकता है।विदेश जाना विकल्प हो सकता है, लेकिन लक्ष्य नहीं होना चाहिए।

ईरान बना नये पुराने हथियारों की प्रयोगशाला, Live Lab के परिणाम देख पूरी दुनिया दंग

ईरान पर हुए हमले के बाद जो भू-राजनीतिक तनाव उभरा है, उसने आधुनिक युद्ध की प्रकृति को समझने का एक नया अवसर भी दिया है। विशेषकर अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने इस क्षेत्र को उन्नत सैन्य तकनीकों के परीक्षण-स्थल जैसा बना दिया है।

इस संघर्ष में कई आधुनिक और विकसित हथियारों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उपयोग देखने को मिल रहा है जो दुनिया के तमाम देशों को अपनी अपनी सैन्य रणनीतियों पर पुनर्विचार करने पर मजबूर कर रहा है।

सबसे पहले यदि अमेरिका और इज़राइल की ओर से प्रयुक्त हथियारों की बात करें, तो इनमें अत्याधुनिक ड्रोन, साइबर हथियार, स्टेल्थ तकनीक से लैस लड़ाकू विमान और प्रिसीजन-गाइडेड मिसाइलें प्रमुख हैं। उदाहरण के लिए स्क्र-9 रीपर जैसे ड्रोन निगरानी और सटीक हमलों के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इसी तरह, इज़राइल की आयरन डोम जैसी मिसाइल रक्षा प्रणाली ने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया है, जो आने वाली रॉकेट और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने की क्षमता रखती है। इसके अलावा, साइबर युद्ध के क्षेत्र में भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाने के लिए स्टक्सनेट जैसे वायरस का उपयोग किया गया, जो आधुनिक युद्ध की नई दिशा को दर्शाता है।

दूसरी ओर, ईरान ने भी अपने सीमित संसाधनों के बावजूद असममित युद्ध रणनीति अपनाई है।

ईरान के पास बैलिस्टिक मिसाइलों का एक बड़ा जखीरा है, जैसे शाहाब और फतेह सीरीज, जो क्षेत्रीय स्तर पर प्रभावी मानी जाती हैं। इसके अलावा, ईरान ने ड्रोन तकनीक में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। शाहेद सीरीज के ड्रोन, जिन्हें कामीकाजे ड्रोन भी कहा जाता है, दुश्मन के ठिकानों पर सीधा हमला करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये सस्ते, लेकिन प्रभावी हथियार हैं, जिनका उपयोग ईरान और उसके सहयोगी समूहों द्वारा व्यापक रूप से किया गया है।

ईरान की नौसैनिक रणनीति भी उल्लेखनीय है। फारस की खाड़ी जैसे संकरे समुद्री मार्ग में ईरान छोटी, तेज गति वाली नौकाओं, समुद्री माइंस और एंटी-शिप मिसाइलों का उपयोग करता है। यह रणनीति बड़े और महंगे युद्धपोतों के मुकाबले कम लागत में अधिक प्रभाव पैदा करने पर आधारित है।

इसके अलावा, ईरान ने सुरंगों और भूमिगत ठिकानों का एक जाल भी विकसित किया है, जिससे उसके हथियार और मिसाइल सिस्टम सुरक्षित रहते हैं।

इस युद्ध में एक और महत्वपूर्ण पहलू यह उभरकर सामने आया है कि ईरान द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ चीनी मूल के हथियार अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखा सके। इन प्रणालियों की सीमाएँ जैसे सटीकता, विश्वसनीयता या इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के सामने इनके टिकाऊपन ने विश्लेषकों के बीच यह चर्चा तेज कर दी है कि इससे चीन की रक्षा निर्यात छवि पर असर पड़ सकता है। हम आपको बता दें कि चीन लंबे समय से एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों को किफायती हथियार उपलब्ध कराकर एक बड़े रक्षा आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है, लेकिन यदि उसके हथियार वास्तविक संघर्ष परिस्थितियों में कमजोर साबित होते हैं, तो संभावित खरीदार देशों का विश्वास डगमगा सकता है। यही कारण है कि ऐसी रिपोर्टें चीन के लिए रणनीतिक चिंता का विषय बन रही हैं, क्योंकि रक्षा निर्यात न केवल आर्थिक लाभ का स्रोत है बल्कि वैश्विक प्रभाव और कूटनीतिक संबंधों का भी महत्वपूर्ण साधन है।

सामरिक दृष्टि से देखें तो इस युद्ध ने हाइब्रिड वारफेयर की अवधारणा को और स्पष्ट किया है। इसमें पारंपरिक सैन्य ताकत के साथ-साथ साइबर हमले, प्रॉक्सी युद्ध, सूचना युद्ध और आर्थिक प्रतिबंध भी शामिल होते हैं। अमेरिका और इज़राइल जहां तकनीकी श्रेष्ठता के बल पर सटीक और सीमित हमले करते हैं, वहीं ईरान अपनी रणनीति में लचीलापन और व्यापकता बनाए रखता है। यह असमान शक्ति संतुलन को संतुलित करने का एक प्रयास है।

रणनीतिक महत्व की दृष्टि से, यह पूरा परिदृश्य कई महत्वपूर्ण संकेत देता है। एक तो आधुनिक युद्ध अब केवल मैदान में लड़े जाने वाले संघर्ष तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक, सूचना और मनोवैज्ञानिक प्रभाव तक फैल चुका है। इसके अलावा, छोटे और मध्यम शक्ति वाले देश भी अब उन्नत तकनीकों के माध्यम से बड़ी शक्तियों को चुनौती देने में सक्षम हो रहे हैं। साथ ही, ड्रोन और साइबर हथियार जैसे साधन युद्ध की लागत को कम करते हुए उसकी जटिलता को बढ़ा रहे हैं।

इसके अलावा, इस क्षेत्र में हो रहे हथियारों के उपयोग का वैश्विक प्रभाव भी है। विभिन्न देश इन तकनीकों का अध्ययन कर अपनी सैन्य नीतियों को पुनर्गठित कर रहे हैं। उदाहरण के ड्रोन युद्ध की सफलता ने कई देशों को इस दिशा में निवेश बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। इसी तरह, मिसाइल रक्षा प्रणालियों की उपयोगिता ने भी रक्षा बजट और रणनीतियों को प्रभावित किया है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि ईरान और उसके आसपास का क्षेत्र आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति का एक जीवंत उदाहरण बन चुका है। यहां हो रहे संघर्ष केवल क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को ही नहीं, बल्कि वैश्विक सैन्य रणनीतियों और तकनीकी विकास की दिशा को भी प्रभावित कर रहे हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ये प्रयोग किस प्रकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और शांति व्यवस्था को आकार देते हैं।

-नीरज कुमार दुबे

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दिनेश कार्तिक के घर गूंजी किलकारी, पत्नी दीपिका ने दिया बेटी को जन्म

एजेंसी

नई दिल्ली। चैत्र नवरात्रि पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के घर लक्ष्मी का आगमन हुआ है। पत्नी दीपिका पल्लीकल ने बेटी को जन्म दिया है। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये खुशखबरी प्रशंसकों साथ साझा की है। इसमें कार्तिक ने अब अपनी नन्ही बेटी के नाम का भी खुलासा किया है। दिनेश कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर टेक्स्ट इमेज शेयर किया, जिसमें लिखा था, हमारे दिल में आशीर्वाद और शब्दों से परे कृतज्ञता के साथ, हम खुशी-खुशी अपनी प्यारी बेटी का दुनिया में स्वागत करते हैं। कबीर और जियान अपनी नन्ही बहन से मिलने के लिए उत्साहित हैं। राहा पल्लिकल कार्तिक, प्यार दीपिका और दिनेश। दीपिका पल्लीकल दिनेश कार्तिक की दूसरी पत्नी हैं। पहली पत्नी से तलाक से बाद साल 2015 में कार्तिक ने स्क्वैश खिलाड़ी दीपिका पल्लिकल से शादी रचाई थी। दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में अच्छे खिलाड़ी रहे हैं। कपल तीसरे बच्चे के माता-पिता बने हैं। दंपति के पहले से ही दो बेटे हैं, कबीर और जियान। अब परिवार में एक बेटी के आने से घर खुशियों से भर गया है। दिनेश कार्तिक के क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने अपने करियर के दौरान भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 वनडे और 60 टी-20 मैच खेले। इस दौरान उन्होंने तीनों प्रारूपों में 3463 रन बनाए। 257 आईपीएल मैचों में 4842 रन बनाए हैं। कार्तिक ने 2024 में क्रिकेट से संन्यास लिया था। वर्तमान में वह आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं।

खुशी खानिजाऊ छठे चरण में एक शॉट की बढ़त के साथ शीर्ष पर

नोएडा। खुशी खानिजाऊ ने शानदार शुरुआत करते हुए हीरो वुमंस प्रो गोल्फ टूर के छठे चरण में पहले दिन बढ़त हासिल कर ली। जपी विशटाउन गोल्फ कोर्स में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में खुशी ने 3-अंडर 68 का बेहतरीन स्कोर बनाया और एक शॉट की बढ़त के साथ लीडरबोर्ड में शीर्ष स्थान पर रहीं। दिन की शुरुआत में ही खुशी ने पहले चार होल में तीन बर्डी लगाकर मजबूत बढ़त बना ली। हालांकि पांचवें और नौवें होल पर एक-एक बोगी के कारण वह फ्रंट नाइन के अंत तक 1-अंडर पर पहुंच गईं। बैक नाइन में उन्होंने 10वें और 12वें होल पर फिर बर्डी लगाई और बाकी होल पार खेलते हुए दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर दर्ज किया। उनसे एक शॉट पीछे श्वेता मानसिंह और उभरती हुई युवा खिलाड़ी गुंतास के संधु रहीं, जिन्होंने 2-अंडर 69 का स्कोर बनाया। श्वेता ने पहले सात होल में तीन बर्डी और दो बोगी के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। बैक नाइन में उन्होंने 16वें होल पर बर्डी लगाई और बाकी होल पार खेलकर दिन समाप्त किया।

आईपीएल 2026: राजस्थान रॉयल्स ने नई जर्सी का अनावरण किया

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन के लिए अपनी नई जर्सी का बुधवार को अनावरण किया। आईपीएल के पहले सीजन की विजेता रही रॉयल्स ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की। पोस्ट के कैप्शन में लिखा, नया लुक, वही हल्ला बोल। जर्सी: रिवील्ड। नव नियुक्त कप्तान रियान पराग, युवा और आक्रामक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई इस दौरान मौजूद थे। उन्होंने आईपीएल 2026 सीजन के लिए अपनी नई जर्सी प्रदर्शित की। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है। राजस्थान रॉयल्स अपना पहला मैच 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ खेलेगी। रियान पराग आरआर के लिए सात सीजन खेले हैं। इस दौरान 84 आईपीएल मैचों में 1566 रन बनाए हैं। इस सीजन संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होने के बाद रियान पराग को राजस्थान रॉयल्स का नया कप्तान बनाया गया है। 25 वर्षीय बिश्नोई को पिछले साल दिसंबर में हुई मिनी नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने 7.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। उससे पहले वह लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा थे। बिश्नोई ने अब तक 77 आईपीएल मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 72 विकेट हासिल किए हैं।

पीतलनगरी इलेवन ने ब्राससिटी स्टार को 91 रनों से दी शिकस्त

मुरादाबाद। मुरादाबाद डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन मुरादाबाद के नेता जी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में बुधवार को इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट में पीतलनगरी इलेवन और ब्राससिटी स्टार के बीच 16 ओवर का मैच खेला गया। पीतलनगरी इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्राससिटी स्टार को 91 रनों से शिकस्त दी। साथ ही अमित को बेहतरीन गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मुरादाबाद डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि बुधवार को हुए मुकाबले में टॉस जीतकर पीतलनगरी इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 16 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 165 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। पीतलनगरी इलेवन की ओर से सिराज ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 57 रनों की पारी खेली जबकि अनुज कुमार ने 49 और मलिंगा ने 23 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्राससिटी स्टार पीतलनगरी इलेवन की गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। टीम ने सात विकेट के नुकसान पर केवल 74 रन की पारी खेली।

गौतम गंभीर ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा, एआई डीपफेक के गलत इस्तेमाल पर रोक की लगाई गुहार

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक सिविल केस दर्ज कराया है, जिसमें डिजिटल नकल, एआई से बने डीपफेक, और बिना अनुमति के उनकी आवाज और चेहरे के इस्तेमाल के चलाए जा रहे कैंपेन के खिलाफ अपने व्यक्तित्व अधिकार की पूर्ण सुरक्षा की मांग की गई है। 2025 के आखिर से गौतम गंभीर की लीगल टीम ने इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, और फेसबुक पर नकली डिजिटल कंटेंट में तेजी से और चिंताजनक वृद्धि देखी। कई अकाउंट्स ने असली वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें गंभीर को ऐसे बयान देते हुए गलत तरीके से दिखाया गया जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं। इसमें एक नकली

इस्तीफे की घोषणा भी शामिल थी, जिसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया। एक नकली क्लिप जिसमें उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के विश्व कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, इसे 17 लाख से ज्यादा बार देखा गया। सोशल मीडिया के अलावा, बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बिना किसी इजाजत के उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर की मदद सामान बेचने में ले रहे थे।

यह मुकदमा 16 डिफेंडेंट के खिलाफ दायर किया गया है। इसमें कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स जैसे जैनकी फ्रेम्स, भूपेंद्र पेंटोला, लीजेंड्स रेवोल्यूशन, आदि शामिल हैं। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में ऐमेजॉन और फ्लिपकार्ट का नाम है। वहीं टेक कंपनियों में मेटा प्लेटफॉर्म, एक्स, गूगल, यूट्यूब, आदि शामिल हैं। साथ ही आईटी मंत्रालय और दूरसंचार विभाग को भी शामिल किया गया है, जो किसी भी कोर्ट ऑर्डर को लागू करने में मदद के लिए प्रोफार्मा पार्टी हैं। यह मुकदमा कॉपीराइट एक्ट 1957, ट्रेडमार्क्स एक्ट 1999, और कमर्शियल कोर्ट्स एक्ट 2015 का इस्तेमाल करता है, और दिल्ली हाई कोर्ट के मजबूत न्यायशास्त्र का इस्तेमाल करता है–जिसमें अमिताभ बच्चन बनाम रजत नागी, अनिल कपूर बनाम सिंपली लाइफ इंडिया, और हाल ही में सुनील गावस्कर बनाम क्रिकेट तक और अन्य के ऐतिहासिक फैसले शामिल हैं, जो पर्सनैलिटी राइट्स को एआई से होने वाले शोषण तक फैले हुए, मालिकाना हक के तौर पर लागू करने लायक अधिकार के तौर पर मजबूती से स्थापित करते हैं। गंभीर ने 2.5 करोड़ हर्जाना, सभी अकाउंट्स को हटाने, परमानेंट रोक लगाने और सभी उल्लंघन करने वाले कंटेंट को हटाने की मांग की है।

अजीत अगरकर वनडे विश्व कप 2027 तक चयन समिति के प्रमुख पद पर रहना चाहते हैं: रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने बीसीसीआई से अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। अगरकर अपना कार्यकाल वनडे विश्व कप 2027 तक बढ़वाना चाहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अजीत अगरकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद बीसीसीआई से मुख्य चयनकर्ता के रूप में अपना कार्यकाल बढ़ाने के लिए संपर्क किया है। अगरकर 2027 वनडे विश्व कप तक इस पद पर बने रहना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई फिलहाल अगरकर के अनुरोध पर विचार कर रहा है। मुख्य चयनकर्ता के रूप में अजीत अगरकर की जगह लेने के लिए एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर का नाम भी चर्चा में है, लेकिन फिलहाल इस पर कोई निर्णय बोर्ड की तरफ से नहीं लिया गया है।

अजीत अगरकर जून 2023 में चयन समिति के प्रमुख बने थे। एक एक्सटेंशन के बाद उनका कार्यकाल जून 2026 तक है। मुख्य चयनकर्ता के रूप में अगरकर का कार्यकाल बेहद सफल रहा है। उनके कार्यकाल में भारत ने दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। 2023 और 2025 का एशिया कप भी भारत ने जीता है। हालांकि, टेस्ट क्रिकेट में उम्मीद के विपरीत परिणाम मिले हैं। भारतीय टीम पिछली बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाने से चूक गई। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में क्लिन स्विप भारतीय टीम को झेलना पड़ा।

आईपीएल 2026: 'कोई जरूरत हो तो बताना', एलएसजी में पक्के दोस्त बने ऋषभ पंत और अर्जुन तेंदुलकर

एजेंसी

लखनऊ । महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर का करियर अभी तक क्लिक नहीं कर पाया है। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी अर्जुन अपनी मजबूत पहचान बनाने के लिए लगातार कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आईपीएल 2026 में अर्जुन मुंबई इंडियंस की जगह लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे। अर्जुन अगले सीजन में अपना प्रभाव छोड़ने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस सीजन में उन्हें कप्तान ऋषभ पंत के साथ काम करना है। एलएसजी ने अभ्यास सत्र का एक वीडियो साझा किया है जिसमें पंत और अर्जुन एक दूसरे से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान पंत अर्जुन के बल्ले का वजन जानकर हैरान हो जाते हैं। वीडियो में पंत ने अर्जुन से उनके बल्ले का वजन पूछा। अर्जुन ने बताया, '1220 ग्राम।' इतना सुनकर पंत हैरान रह गए। पंत ने पूछा कि भारी बल्ले से खेलने का क्या फायदा है, तो अर्जुन ने जवाब दिया, 'इसे छूने पर भी उड़ता है। पापा 1310-1315 के साथ खेलते थे। मैं 1200 से नीचे नहीं जाता। ' अर्जुन तेंदुलकर और

ऋषभ पंत की उम्र में ज्यादा अंतर नहीं है। इसलिए एलएसजी कैंप में मिलते ही दोनों दोस्त बन गए हैं। वीडियो में पंत एक जगह अर्जुन से यह कहते हुए दिखते हैं कि जब भी जरूरत होगी, वह उनके लिए मौजूद रहेंगे। पंत ने अर्जुन के डेडिकेशन की भी तारीफ की कि वह अपनी शादी के ठीक एक दिन बाद सीजन की तैयारी के लिए युवराज सिंह से जुड़ गए।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और बाएं हाथ के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज अर्जुन तेंदुलकर घरेलू क्रिकेट में गोवा की तरफ से खेलते हैं। अर्जुन ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस की तरफ से 2023 में केकेआर के खिलाफ डेब्यू किया था। 26 साल के इस खिलाड़ी ने 5 मैचों की 1 पारी में 13 रन बनाए हैं और 3 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2026 से पहले अर्जुन एलएसजी से जुड़े थे।

मेसी के 900वें गोल के बावजूद मियामी कॉनकाकाफ चैंपियंस कप से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली । अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी पेशेवर फुटबॉल में 900 गोल करने वाले इतिहास के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। मेसी ने नैशविले एससी के खिलाफ इंटर मियामी के कॉनकाकाफ चैंपियंस कप मैच में अपना ऐतिहासिक गोल किया। हालांकि इस गोल के बावजूद मेसी की टीम कॉनकाकाफ चैंपियंस कप से बाहर हो गई। मेसी ने नैशविले के खिलाफ कॉनकाकाफ चैंपियंस कप के आखिरी-16 के दूसरे लेग के मैच में जियोडिस पार्क में अपने प्रोफेशनल करियर का 900वां गोल किया। यह गोल उन्होंने मैच के 7वें मिनट में किया। अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने अपना आठवां कॉनकाकाफ चैंपियंस कप गोल किया और इंटर मियामी के लिए दो गोल में असिस्ट भी कर चुके हैं। मेसी अब क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ 900 या उससे ज्यादा गोल करने वाले दुनिया के मात्र दूसरे फुटबॉलर हो गए हैं। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में क्रोएशिया के खिलाफ पुर्तगाल के लिए खेलते हुए अपने 900 गोल पूरे किए थे।

38 साल के अर्जेंटीना के स्ट्राइकर मेसी ने राष्ट्रीय टीम के अलावा मियामी, एफसी बार्सिलोना, पेरिस सेंट-जर्मेन के लिए गोल किए हैं। मेसी ने आठ बार बैलन डी'ओर जीता है। 2012 में, उन्होंने एक कैलेंडर साल में सबसे ज्यादा गोल (91) करने का रिकॉर्ड बनाया था, जिसमें बार्सिलोना के लिए 79 और अर्जेंटीना के साथ 12 गोल थे। वह सिर्फ 123 मैचों में 100 चैंपियंस लीग गोल करने वाले सबसे तेज खिलाड़ी भी हैं।

मेसी के ऐतिहासिक गोल के बावजूद, इंटर मियामी कॉनकाकाफ चैंपियंस कप से बाहर हो गई क्योंकि कुल स्कोर 1-1 से बराबर रहा, लेकिन नैशविले अवे गोल नियम से आगे बढ़ गया। पहले लेग में गोललेस ड्रॉ के

साथ, नैशविले एससी को अगर अवे गोल करने का मौका मिलता तो थोड़ी बढ़त मिल जाती। मेसी ने सातवें मिनट में ब्रायन श्वाके को छकाते हुए बाएं पैर से शॉट मारकर इंटर मियामी को कुल स्कोर पर 1-0 से आगे कर दिया। विजिटर्स ने 74वें मिनट में क्रिस्टियन एस्पिनोजा के गोल की मदद से बराबरी की।

यमुनानगर के खिलाड़ी अंकित ने थाईलैंड में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर के खंड रादौर के गांव इस्माइलपुर के खिलाड़ी अंकित ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित बाल बैडमिंटन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। थाईलैंड में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया है। प्रतियोगिता के दौरान भारत और मेजबान थाईलैंड के बीच खेले गए मुकाबलों में भारतीय टीम ने प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन करते हुए सभी मैच अपने पक्ष में किए। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों ने संतुलित और सशक्त प्रदर्शन कर जीत सुनिश्चित की। उपलब्धि के बाद गांव में खिलाड़ी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया।

क्षेत्र के लोगों ने उन्हें सम्मानित

कर उनकी सफलता पर गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल करना अन्य युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। खिलाड़ी ने अपनी सफलता का श्रेय चयन प्रक्रिया, निरंतर अभ्यास और मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर हुए ट्रायल के आधार पर टीम में चयन हुआ, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है, जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मंच मिल सके। उन्होंने सरकार से खेल ढांचे को मजबूत करने, प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने और योग्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति की मांग की है। साथ ही युवाओं को संदेश दिया कि शिक्षा के साथ खेलों में भागीदारी भी जीवन के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। अंकित के परिजनों ने बताया कि प्रारंभिक अवस्था से ही अंकित की खेलों में विशेष रुचि रही, जिसे उचित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिला। अब वह भविष्य में भी खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईपीएल 2026: जॉन मूनी दिल्ली कैपिटल्स के फील्डिंग कोच नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले अपनी केचिंग टीम को और मजबूत किया है। फ्रेंचाइजी ने आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर खिलाड़ी जॉन मूनी को फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, ''दिल्ली के डिफेंस में 'आयरिश स्टील' का तड़का। स्वागत है, जॉन मूनी।'क्रिकबज के अनुसार मूनी, एंटोन रॉक्स और ज्ञानेश्वर राव की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में यह भूमिका निभाई थी। 44 वर्षीय मूनी पहले वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के साथ काम कर चुके हैं। वह मुख्य कोच हेमांग बदानी के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए हैं, जिसमें इयान बेल सहायक कोच, मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच और वेणुगोपाल राव डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट हैं। मूनी ने आयरलैंड के लिए 64 वनडे और 27 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस दौरान वनडे में 963 रन और टी-20 में 231 रन बनाए। इस खिलाड़ी के नाम वनडे में 47 और टी20 में 10 विकेट दर्ज हैं। अक्षर पटेल की

कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 में अपने अभियान का आगाज एक अप्रैल को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करेगी। दिल्ली अब तक कोई भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है। ऐसे में उसे अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी का इंतजार है।

नाइट राइडर्स ग्रुप ने कैलिफोर्निया में अपने घरेलू क्रिकेट मैदान का अनावरण किया

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। नाइट राइडर्स ग्रुप ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 2026 के लिए अपने आधिकारिक घरेलू मैदान की घोषणा की है। यह 'नाइट राइडर्स क्रिकेट फील्ड' कैलिफोर्निया के पोमोना स्थित फेयरप्लेक्स में है। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) टीम लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स (एलएकेआर) अपने एमएलसी 2026 के कुछ मैच इसी मैदान पर खेलेगी। नाइट राइडर्स ग्रुप दक्षिणी कैलिफोर्निया में अपना क्रिकेट मैदान स्थापित करके इस क्षेत्र को अमेरिका में क्रिकेट के भावी केंद्र के रूप में बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। यह नया मैदान प्रशंसकों को विश्व स्तरीय क्रिकेट सुविधाओं के बीच दुनिया के कुछ सबसे रोमांचक खिलाड़ियों के उच्चतम गुणवत्ता

वाले पेशेवर क्रिकेट का लाइव अनुभव कराएगा। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के सह-मालिक शाहरुख खान ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नाइट राइडर्स एक वैश्विक परिवार के रूप में विकसित हुआ है और हर नई उपलब्धि हमारे लिए खास है। लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स (एलएकेआर) को नाइट राइडर्स क्रिकेट के रूप में अपना खुद का मैदान मिलते देखना बेहद रोमांचक है। अमेरिका एक बड़ा खेल बाजार है, जहां उत्साही प्रशंसक हैं और हम आशा करते हैं कि यह मैदान एक ऐसा स्थान बनेगा, जहां लोग खेल का जश्न मनाने और टीम का समर्थन करने के लिए एक साथ आएंगे। मैं लॉस एंजिल्स में नाइट राइडर्स के इस नए अध्याय के लिए बहुत उत्सुक हूं।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा कि लॉस एंजिल्स दुनिया के सबसे गतिशील खेल बाजारों में से एक है और नाइट राइडर्स ब्रांड के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। फेयरप्लेक्स के साथ साझेदारी में नाइट राइडर्स क्रिकेट फील्ड की स्थापना हमारी फ्रेंचाइजी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और हम अमेरिका में क्रिकेट को स्थापित करने और इस खेल को आगे बढ़ाने के लिए फेयरप्लेक्स के साथ दीर्घकालिक साझेदारी की आशा करते हैं। फेयरप्लेक्स के अध्यक्ष और सीईओ वाल्टर एम. मार्केज ने कहा कि यह संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हम अपने परिसर में दुनिया के सबसे बड़े खेलों में से एक क्रिकेट को प्रस्तुत करने के लिए नाइट राइडर्स के साथ साझेदारी करने को लेकर उत्साहित हैं।

हम विश्व कप का नहीं, अमेरिका का बहिष्कार करेंगे: ईरान

एजेंसी

तेहरान । ईरान ने फीफा विश्व कप 2026 के बहिष्कार की धमकी वापस ले ली है। लेकिन अमेरिका में मैच न खेलने के अपनी मांग पर कायम है। ईरान के फुटबॉल चीफ मेहदी ताज ने कहा कि टीम टूर्नामेंट की तैयारियों को जारी रखेगी, भले ही पुरुष टीम अमेरिका में अपने मैच न खेले। फुटबॉल विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाना है। फरवरी के आखिर में अमेरिका के साथ चल रहे विवाद के बाद ईरान की टीम की सुरक्षा और मैचों की जगह को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। इसलिए ईरान ने अमेरिका में विश्व कप के दौरान अपने प्रस्तावित मैच खेलने से इनकार कर दिया है। बता दें कि ईरान विश्व कप क्वालीफाई करने वाली पहली टीमों में शामिल है। फार्स न्यूज एजेंसी के हवाले से मेहदी ताज ने कहा, 'नेशनल टीम तुर्की में ट्रेनिंग कैंप लगाएगी और वहां दो मैत्रीपूर्ण मैच खेलेगी। हम अमेरिका का बॉयकॉट करेंगे, लेकिन विश्व कप का नहीं। '

ताज का यह बयान ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली के उस

बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान विश्व कप में हिस्सा नहीं लेगा। ईरान की पुरुष टीम को जून में अमेरिका में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ मैच खेलने हैं।मेक्सिको की प्रेसिडेंट क्लाउडिया शीनबाम ने ईरान के अमेरिका में विश्व कप मैचों के बहिष्कार पर कहा कि आखिरी फैसला फीफा के हाथ में है। फीफा ने भी पुष्टि की है कि वे ईरान फुटबॉल फेडरेशन के संपर्क में हैं और चाहते हैं कि सभी टीमें अपने तय शेड्यूल के अनुसार टूर्नामेंट में भाग लें। ईरान ने इजरायल और अमेरिका की तरफ से लगातार हो रहे हमलों और बिना वजह युद्ध छेड़ने की वजह से लिया है। देखना होगा कि फीफा ईरान के लिए विश्व कप के मैच अमेरिका से हटाकर किसी और वेन्यू पर स्थानांतरित करता है या नहीं।

विराट कोहली आईपीएल के लिए तैयार, आरसीबी से जुड़कर शुरू की प्रैक्टिस

एजेंसी

बेंगलुरू। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए तैयार हैं। वह अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से जुड़ चुके हैं और प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। इस बीच कोहली का एक वीडियो सामने आया है, जिसने प्रसंशकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से सोशल मीडिया 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कोहली ने कहा, ''हर बार जब मैं ये जर्सी (आरसीबी) पहनता हूं, तो मैं पूरी तरह अपने आप को झोंक देता हूं। मैं एक और स्पेशल चेज के लिए तैयार हूं।'' फ्रेंचाइजी ने वीडियो को शेयर करते हुए संदेश दिया कि कोहली अपने घर बेंगलुरु लौट आए हैं और एक और नई कहानी लिखने के लिए तैयार हैं। आरसीबी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, ''वक्त गुजरा, सीजन बदले, लेकिन यह शहर? अब भी उसका है। यह सिंहासन? अब भी उसका है। 'एकमात्र सच्चे राजा' के लिए हमारा प्यार, हर गुजरते दिन के साथ और भी मजबूत होता जा रहा है। हमारे विराट कोहली वापस वहीं लौट रहे हैं, जहां के वे हैं- अपने घर, बेंगलुरु- एक नई कहानी लिखने के लिए।'' आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है।

हॉकी वर्ल्ड कप 2026 : भारतीय पुरुष टीम का अभियान 15 अगस्त से होगा शुरू

एजेंसी

एम्स्टर्डम। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के मुकाबले का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय पुरुष टीम 19 अगस्त को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ पूल-डी मुकाबला खेलेगी। यह मैच भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम को पूल-डी में पाकिस्तान के अलावा इंग्लैंड और वेल्स के साथ रखा गया है। इस चार टीमों के समूह से शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को क्रॉस-ओवर मुकाबले खेलने होंगे।1975 की विश्व कप विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगी। यह मैच भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम 17 अगस्त को इंग्लैंड से भिड़ेगी, जबकि 19 अगस्त को बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान मुकाबला होगा। पूल चरण के मैच 20 अगस्त तक खेले जाएंगे और नॉक-आउट दौर 21 अगस्त से शुरू होगा। [वहीं भारतीय महिला हॉकी टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 अगस्त को एशियाई चैंपियन और विश्व नंबर-4 चीन के खिलाफ करेगी।

इसके बाद भारतीय महिला टीम 18 अगस्त को साउथ अफ्रीका से भिड़ेगी और 20 अगस्त को अपने अंतिम लीग मैच में इंग्लैंड से मुकाबला करेगी।इस बार पुरुष और महिला हॉकी विश्व कप का आयोजन पहली बार संयुक्त रूप से बेल्जियम और नीदरलैंड्स में किया जा रहा है। टूर्नामेंट 15 से 30 अगस्त तक चलेगा। मुकाबले दो स्थानों एम्स्टलवीन के वैगनर स्टेडियम और बेल्जियम के वाव्रे स्थित बेल्फियस हॉकी एरीना में खेले जाएंगे। भारतीय पुरुष टीम ने एशिया कप जीतकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था, जबकि महिला टीम ने हैदराबाद में आयोजित क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में उपविजेता रहकर इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में जगह बनाई। टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा के बाद भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर हॉकी प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

चौबीस मार्च को खुलेगा अमीर चंद जगदीश कुमार का पब्लिक इश्यू, दो अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। एरोप्लेन ब्रैंडनेम से बासमती चावल का निर्यात करने वाली कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार ने अपने आईपीओ की लॉन्चिंग का ऐलान कर दिया है। कंपनी का 440 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 मार्च को खुलेगा। इस आईपीओ में निवेशक 27 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। वहीं एंकर इन्वेस्टर्स इस आईपीओ में 23 मार्च को बोली लगा सकेंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि एक अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 201 रुपये से लेकर 212 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 70 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 70 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,840 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,92,920 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 910 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,07,54,716 नए शेयर जारी हो रहे हैं।

राजपूताना स्टेनलेस ने निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लुढ़के कंपनी के शेयर

नई दिल्ली। स्टील सेक्टर में काम करने वाली कंपनी राजपूताना स्टेनलेस लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 122 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 122 रुपये के स्तर पर ही हुई। हालांकि बीएसई पर कंपनी के शेयर 1.95 रुपये के मामूली प्रीमियम के साथ 123.95 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस शेयर के भाव में और गिरावट आ गई। सुबह 10:30 बजे तक कारोबार होने के बाद राजपूताना स्टेनलेस के शेयर बीएसई पर 7.50 रुपये प्रति शेयर यानी 6.15 प्रतिशत के नुकसान के साथ 114.50 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 7.85 रुपये प्रति शेयर यानी 6.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 114.15 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। राजपूताना स्टेनलेस लिमिटेड का 254.98 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.12 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.51 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरुआत भी जबरदस्त कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने कुछ देर तक लिवाली का जोर बना कर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों को सहारा देने की कोशिश भी की, लेकिन थोड़ी ही देर बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बढ़ जाने से दोनों सूचकांकों की चाल में दोबारा गिरावट का रुख बन गया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 2.37 प्रतिशत और निफ्टी 2.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। दरअसल, पश्चिम एशिया संकट की वजह से कच्चे तेल की कीमत में आज जबरदस्त तेजी आ गई है। ब्रेंट क्रूड उछल कर 112.83 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 100.02 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा हुआ है। कच्चे तेल की कीमत के कारण पूरी दुनिया के स्टॉक मार्केट में हाहाकार मचा हुआ है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार में भी साफ साफ नजर आ रहा है।

'भारत विद्युत शिखर सम्मेलन' 19 से 22 मार्च तक यशोभूमि में होगा

नई दिल्ली। भारत के लगातार विकसित हो रहे विद्युत तंत्र को आकार देने वाली प्रमुख प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श के लिए 'भारत विद्युत शिखर सम्मेलन' 19 से 22 मार्च तक नई दिल्ली के यशोभूमि में होगा। ये विद्युत और बिजली क्षेत्र के लिए एक प्रमुख वैश्विक सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी है। शिखर सम्मेलन में प्रमुख रूप से विद्युत और आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी, विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक, केंद्र सरकार के विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद, 10 देशों के ऊर्जा मंत्री, 25 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विद्युत मंत्री एवं सचिव, लगभग 60 देशों के राजदूत और सभी केंद्रीय विद्युत क्षेत्र उद्यमों के प्रमुखों सहित 100 से अधिक सीईओ शामिल होंगे।

आचार संहिता की सख्ती से वेल्लोर का 100 साल पुराना पोइगई पशु बाजार प्रभावित, कारोबार में भारी गिरावट

एजेंसी

वेल्लोर । तमिलनाडु के वेल्लोर जिले के पास स्थित पोइगई का एक सदी पुराना साप्ताहिक पशु बाजार इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रहा है। विधानसभा चुनाव से पहले लागू हुई आचार संहिता की सख्ती ने इस पारंपरिक बाजार की रफ्तार को काफी धीमा कर दिया है। चेन्नई-बेंगलुरु नेशनल हाईवे के किनारे, पोइगई बस स्टैंड के पास स्थित यह बाजार वेल्लोर से करीब 10 किलोमीटर दूर है। हर मंगलवार यहां हजारों व्यापारी जुटते थे और बड़ी संख्या में पशुओं की खरीद-फरोख्त होती थी। आम तौर पर एक दिन में 2,000 से ज्यादा व्यापारी आते थे और करीब 1,500 पशुओं की बिक्री होती थी, जिससे करोड़ों रुपए का कारोबार होता था। हालांकि, आचार संहिता लागू होने के बाद नकदी ले जाने की सीमा 50,000 रुपए तय कर दी गई है, जिससे इस बाजार पर सीधा असर पड़ा है। हाल ही में हुए पहले

बाजार दिन में ही इसका असर साफ दिखा और व्यापारियों की संख्या कम रही और पशुओं की आवक भी घट गई। यह बाजार मुख्य रूप से नकद लेनदेन पर आधारित है, इसलिए कड़ी निगरानी और जांच ने व्यापार को और मुश्किल बना दिया है। फ्लाइंग स्क्वॉड और निगरानी टीमें लगातार जांच कर रही हैं और बिना हिसाब-किताब के नकद पर कार्रवाई भी हो रही है। इससे व्यापारियों और खरीदारों में डर का माहौल है।व्यापारियों के मुताबिक, सामान्य दिनों की तुलना में कारोबार में करीब 30 फीसदी तक गिरावट आई है। साथ ही, कई लोग डिजिटल भुगतान के आदी नहीं हैं, जिससे वे नए विकल्पों को अपनाने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। यह बाजार सिर्फ वेल्लोर तक सीमित नहीं है, बल्कि तिरुपत्तूर, रानीपेट, धर्मपुरी और कृष्णागिरी जैसे आसपास के जिलों के अलावा आंध्र प्रदेश और कर्नाटक से भी व्यापारी यहां आते थे। अब अंतर-जिला और अंतरराज्यीय सीमाओं पर कड़ी जांच के कारण बाहरी व्यापारियों की संख्या भी कम हो गई है।

इस स्थिति ने पशु व्यापार से जुड़े लोगों और किसानों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि यह बाजार उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है। आने वाले हफ्तों में भी चुनावी प्रतिबंध जारी रहने की संभावना है, जिससे व्यापार पर असर बना रह सकता है।

ऐसे में व्यापारी और संबंधित लोग मांग कर रहे हैं कि चुनावी नियमों का पालन करते हुए वैध व्यापार को सुचारु रूप से चलाने के लिए कुछ राहत उपाय किए जाएं ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर लंबे समय तक असर न पड़े।

हिमाचल में ईपीएफओ के तहत 24.68 लाख सदस्य पंजीकृत : राज्य श्रम मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत कामगारों की सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ी प्रगति देखने को मिली है। राज्यसभा सांसद इंदु गोस्वामी द्वारा सदन में पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने प्रदेश के ताजा आंकड़े साझा किए। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में वर्तमान में कुल 24 लाख 68 हजार 515 पंजीकृत सदस्य है, जिनमें से 5 लाख 14 हजार,741 सदस्य नियमित रूप से अपना अंशदान जमा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सोलन और सिरमौर शीर्ष पर आंकड़ों का विश्लेषण करें तो प्रदेश के औद्योगिक जिलों में भविष्य निधि से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या सबसे अधिक है। सोलन जिला 16,20,735 पंजीकृत सदस्यों के साथ राज्य में सबसे आगे है, जहां 3.05 लाख से अधिक सक्रिय अंशदाई सदस्य हैं। इसी प्रकार सिरमौर में 2.60 लाख और राजधानी शिमला में 1.67 लाख पंजीकृत सदस्य हैं। अन्य जिलों में ऊना (1.13 लाख), कांगड़ा (70,982), मंडी (62,416), और कुल्लू (45,106) में भी पंजीकरण का स्तर बेहतर है। वहीं चम्बा, हमीरपुर, बिलासपुर और जनजातीय क्षेत्रों जैसे किन्नौर व लाहौल-स्पीति में सदस्यों की संख्या उनके भौगोलिक और औद्योगिक परिवेश के अनुरूप दर्ज की गई है। केंद्रीय मंत्री ने सदन को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि ईपीएफओ में अब दावों के निपटारे की गति में क्रांतिकारी सुधार आया है। डिजिटल इंडिया की पहल के चलते अब भविष्य निधि के दावों को औसतन मात्र 8 दिनों के भीतर निपटाया जा रहा है। इस व्यवस्था से न केवल कागजी कार्रवाई में कमी आई है, बल्कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित हुई है।

एसबीआई फ्रॉड मामले में अनिल अंबानी से पूछताछ करेगी सीबीआई

एजेंसी

नई दिल्ली । एसबीआई फ्रॉड मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) 19-20 मार्च के बीच राष्ट्रीय राजधानी में स्थित अपने मुख्यालय में पूछताछ करेगी। सीबीआई की पूछताछ रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) से जुड़ी हुई है, जिसे लेकर एसबीआई ने एफआईआर दर्ज कराई थी। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बताया, 'रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) के संबंध में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा दायर शिकायत के आधार पर दर्ज एफआईआर के सिलसिले में अनिल डी. अंबानी 19 और 20 मार्च, 2026 को दिल्ली में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पूछताछ के लिए पेश होंगे। ' प्रवक्ता ने आगे कहा कि यह पेशी अंबानी इस मामले में सभी एजेंसियों को पूरा सहयोग देंगे। पिछले सप्ताह, अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से सीबीआई ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) से जुड़े 228 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में पूछताछ की थी। प्रमुख जांच एजेंसी ने उनसे दो दिनों तक पूछताछ की।एजेंसी ने उनसे एक कथित बैंक धोखाधड़ी मामले के संबंध में पूछताछ

की, जिसमें उनके साथ रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व सीईओ और पूर्व पूर्णकालिक निदेशक रविंद्र सुधालकर और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।सीबीआई ने 6 दिसंबर, 2025 को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल), जय अनमोल अनिल अंबानी, रविंद्र सुधालकर, अज्ञात व्यक्तियों और अज्ञात सरकारी कर्मचारियों से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में केस दर्ज किया था। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत के आधार पर रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनी आरएचएफएल, उसके प्रमोटरों या निदेशकों और अज्ञात बैंक अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक कदाचार का आरोप लगाया गया था, जिससे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (पूर्व-आंध्र बैंक) को 228.06 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था।इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी समूह की कंपनियों रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) की 581 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति को जब्त कर लिया था।

मप्र में बॉयोमास एग्रीकल्चर वेस्ट से ऊर्जा उत्पादन के लिए 3200 करोड़ निवेश करेगी एसएईएल

एजेंसी

भोपाल। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन (ग्रीन एनर्जी प्रोडक्शन) के नामी कंपनी एसएईएल बॉयोमास एग्रीकल्चर वेस्ट से ऊर्जा उत्पादन के लिए मध्य प्रदेश में 3200 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है।

एसएईएल के पदाधिकारियों ने बुधवार देर शाम भोपाल पहुंचकर समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की।

कंपनी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदेश में अपनी भावी निवेश योजना की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर सुखबीर सिंह आवला ने मध्य प्रदेश में बॉयोमास एग्रीकल्चर वेस्ट उर्जा उत्पादन के लिए 3200 करोड़ रुपये निवेश करने का प्रस्ताव दिया। कंपनी के एमडी ने इसके अतिरिक्त भी अन्य संभावनाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कंपनी द्वारा मप्र में निवेश

करने की मंशा पर प्रसन्नता जताई और कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर निवेशकों का स्वागत और अभिनंदन है। राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव मदद करने को तत्पर है।

सौजन्य भेंट के दौरान मप्र के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह, मप्र औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध संचालक चंद्रमौली शुक्ला, एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पदाधिकारी इंदरदीप सिंह गिल एवं संदीप सिंह चड्ढा भी उपस्थित थे।

लिपुलेख दर्रे से फिर शुरू होगा भारत-चीन सीमा व्यापार, प्रशासन ने तेज की तैयारियां

एजेंसी

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में वर्ष 2026 के लिए भारत-चीन सीमा व्यापार को पुनः प्रारम्भ करने की दिशा में प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। व्यापार अवधि जून से सितम्बर तक निर्धारित है। जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई की अध्यक्षता में जिला आपदा परिचालन केंद्र सभागार में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्रालय की ओर से लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार पुनः शुरू करने के लिए अनापत्ति प्रदान की जा चुकी है। इसके मद्देनजर प्रस्तावित व्यापार सत्र - 2026 को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को बताया गया है कि भारत-चीन समझौते के तहत व्यापार अवधि जून से सितम्बर तक निर्धारित है। हालांकि मौसम की अनुकूलता के आधार पर इस अवधि को बढ़ाने का प्रस्ताव

शासन को भेजा जा सकता है।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि व्यापार प्रारम्भ होने से पूर्व आधारभूत संरचना, सड़क मार्ग, संचार, बैंकिंग, सुरक्षा और आवासीय व्यवस्थाओं को पूर्ण किया जाए। बीएसएनएल को सीमा क्षेत्र में नेटवर्क सुदृढ़ करने तथा गुंजी क्षेत्र में शौचालय एवं अन्य सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं पर्यटन कार्यालय के संचालन के लिए स्थानीय स्तर पर संविदा कर्मियों की नियुक्ति और व्यापार अवधि में पीआरडी स्वयंसेवकों और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती को लेकर कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा हुई। उप जिलाधिकारी धारचूला आशीष जोशी ने बताया कि पूर्व वर्षों की भांति इस बार भी व्यापारियों को ट्रेड पास जारी किए जाएंगे। पिछली बार 265 ट्रेड पास जारी किए गए थे और इस वर्ष संख्या बढ़ने की संभावना जताई गई है। भारत-चीन समझौते के तहत व्यापार अवधि जून से सितम्बर तक निर्धारित है। हालांकि मौसम की अनुकूलता के आधार पर इस अवधि को बढ़ाने का प्रस्ताव शासन को भेजा जा सकता है।अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि व्यापार अवधि में धारचूला क्षेत्र में भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से नकद एवं मुद्रा विनिमय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही सीमा शुल्क विभाग, बरेली से कस्टम स्टाफ की समय पर तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में बताया गया कि आयात में ऊन, पश्मीना, नमक, बोरेक्स, रेशम, मक्खन, याक के बाल व खाल जैसी वस्तुएं शामिल हैं, जबकि निर्यात में कपड़ा, कंबल, मसाले, आटा, सूखे मेवे, सब्जियां, तांबे के उत्पाद, कृषि उपकरण, स्टेशनरी, जूते व वनस्पति तेल शामिल किए जाएंगे। पिछले व्यापार सत्र में लगभग 1.25 करोड़ रुपये का निर्यात और 1.90 करोड़ रुपये का आयात दर्ज किया गया था बैठक में पुलिस अधीक्षक अक्षय कोंडे, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश शर्मा, डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रशांत कौशिक, एआरटीओ (प्रवर्तन) शिवांश कांडपाल, जिला युवा कल्याण अधिकारी जगदीश नेगी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी कीर्ति आर्या सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ओडिशा में 5.56 करोड़ के पेंशन घोटाले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

भुवनेश्वर । सरकारी पेंशन योजनाओं को निशाना बनाकर की जा रही वित्तीय अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा सतर्कता विभाग ने मुख्य आरोपी को एक होटल से गिरफ्तार किया है। इससे पहले आरोपी के बेटे को गिरफ्तार किया गया था। 5.56 करोड़ रुपये के गबन के मुख्य आरोपी प्रदीप कुमार मोहंती प्रधानाध्यापक से सेवानिवृत्त होने के बाद बीईओ कार्यालय में पुनः नियुक्त थे। मोहंती अपनी पत्नी गीता रानी मोहंती के साथ फरार चल रहे थे और ओडिशा व पश्चिम बंगाल में अलग-अलग स्थानों पर छिप रहे थे। दोनों के कोलकाता में छिपे होने का संदेह था, इसलिए ओडिशा सतर्कता विभाग की एक टीम संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। खतरे को भांपते हुए दोनों बुधवार रात कोलकाता से निकल गए और भद्रक के चारम्पा स्थित एक होटल में छिप गए थे, जहां से उन्हें गुरुवार तड़के गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है। गबन की गई धनराशि प्रदीप मोहंती, उनकी पत्नी, बेटे मातृप्रसाद मोहंती और अन्य के निजी खातों में स्थानांतरित की गई थी। आगे की जांच जारी है। गौरतलब है कि ओडिशा सतर्कता विभाग ने भद्रक स्थित जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शाखा प्रमुख और प्रदीप मोहंती के बेटे मातृप्रसाद मोहंती को 5,56,11,495 रुपये के गबन घोटाले में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था।नवंबर 2018 से सितंबर 2024 तक चले इस घोटाले में जाजपुर जिले के कोरेई स्थित ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय के लिए आवंटित धनराशि का दुरुपयोग किया गया। बताया जाता है कि मातृप्रसाद ने अपने पिता प्रदीप कुमार मोहंती के साथ मिलकर इस घोटाले को अंजाम दिया।सतर्कता विभाग की जांच के अनुसार प्रदीप कुमार मोहंती ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) तक अवैध रूप से पहुंच बनाई और 13 सेवानिवृत्त शिक्षकों (पेंशनभोगियों) की पहचान को निशाना बनाया। रिकॉर्ड में हेरफेर करके इन सेवानिवृत्तों को फर्जी तरीके से सेवा में सक्रिय दिखाकर उसने उनके नाम पर फर्जी मासिक पेंशन बिल तैयार किए और उन्हें जारी किया।

हाजिर चांदी के भाव में बड़ी गिरावट, कीमत में आई 15 हजार रुपये से अधिक की कमजोरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी के भाव में आज जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। आज चांदी ने दस हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक टूट कर कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार में इस चमकीली धातु की कीमत की कमजोरी और बढ़ती चली गई। दोपहर बारह बजे तक कारोबार होने के बाद चांदी के भाव में बुधवार के मुकाबले 15,100 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी गिरावट आ चुकी थी। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में आज चांदी 2,59,800 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 15,100 रुपये प्रति किलोग्राम फिसल गई, जिसके कारण ये चमकीली धातु आज दोपहर बारह बजे 2,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,59,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। बेंगलुरु में चांदी 2,60,300 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,59,900 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 14,900 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी के साथ 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत आज चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु आज 15,000 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती होकर 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर दुनिया भर के बाजारों पर पड़ रहा है। इस तनाव के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार के साथ ही घरेलू सर्राफा बाजार तक सोना और चांदी दोनों ही चमकीली धातुओं की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ है। आम तौर पर युद्ध या तनाव के दौरान सेफ इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के रूप में निवेशक सोने और चांदी में अपना निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसा होने पर इन दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में आमतौर पर तेजी का रुख बन जाता है, लेकिन फिलहाल डॉलर की मजबूती और बढ़ते बॉन्ड यील्ड के कारण सोना और चांदी के प्रति निवेशकों के रुझान में कमी आई है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग की तुलना में सप्लाई बढ़ गई है, जिसके कारण इन दोनों चमकीली धातुओं पर दबाव बन गया है। मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक स्तर पर मची हलचल ने स्टॉक मार्केट के साथ ही बुलियन मार्केट पर भी काफी असर डाला है। लगातार बढ़ रहे तनाव की वजह से बुलियन मार्केट में भी आने वाले दिनों में लगातार उतार चढ़ाव जारी रह सकता है, क्योंकि वैश्विक माहौल फिलहाल अनिश्चित बना हुआ है।

एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन के इस्तीफे से शेयर नौ फीसदी लुढ़का

एजेंसी

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे से गुरुवार सुबह बैंक के शेयर करीब नौ फीसदी गिर गए। बैंक के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 65,176.48 करोड़ रुपये की भारी गिरावट भी आई है। बैंक के शेयर अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर पर पहुंचने से निवेशकों में चिंता बढ़ गई है। देश के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अतनु चक्रवर्ती मई, 2021 में एचडीएफसी बैंक के बोर्ड में शामिल हुए थे। वे वित्त मंत्रालय में सेक्रेटरी, वर्ल्ड बैंक बोर्ड में अल्टरनेट गवर्नर और नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड (एनआईआईएफ) के चेयरमैन भी रह चुके हैं। वे गुजरात कैडर के आईएएस ऑफिसर थे।

नैतिक चिंताओं का हवाला देते

हुए अपने इस्तीफे में उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों में बैंक के भीतर की कुछ घटनाएं और काम के तरीके उनकी व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थीं। इसी वजह से पद छोड़ने का फैसला लिया। चक्रवर्ती ने अपने पत्र में बैंक के स्वतंत्र निदेशकों और विभिन्न विभागों की सराहना भी की, लेकिन साथ ही संकेत दिया कि संगठन में बदलाव की जरूरत है।

केकी मिस्त्री बने अंशकालिक चेयरमैन

अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद एचडीएफसी लिमिटेड के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) केकी मिस्त्री को बैंक ने अस्थायी अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से मंजूरी मिल चुकी है। रिजर्व बैंक ने भी एचडीएफसी बैंक में हाल के घटनाक्रमों का संज्ञान लिया है। बैंक के अनुरोध पर आरबीआई ने बैंक के अंशकालिक चेयरमैन के पद के संबंध में एक संक्रमणकालीन व्यवस्था को मंजूरी दे दी है।

पावरिका लिमिटेड का आईपीओ 24 मार्च को खुलेगा, प्राइस बैंड 375-395 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। पावर सॉल्यूशन प्रदाता कंपनी पावरिका लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 24 मार्च को खुलेगा। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 27 मार्च तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 375-395 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि उसका 24 मार्च को खुलकर 27 मार्च को बंद होगा। इसमें निवेश करने के लिए बड़े निवेशक 23 मार्च को बोली लगा पाएंगे। पावरिका लिमिटेड ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 375-395 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर 2 अप्रैल को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होंगे। पावरिका लिमिटेड की योजना इस इश्यू के जरिए 1,100 करोड़ रुपये जुटाने की है।

कंपनी का यह आईपीओ 700 करोड़ रुपये के नए शेयर और 400 करोड़ रुपये तक के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। निवेशक कम से कम 37 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 37 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी इस आईपीओ से प्राप्त राशि में से 525 करोड़ रुपये कंपनी के कर्ज को कम करने में लगाएगी, जबकि शेष का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

मार्च के पहले पखवाड़े में एफआईआई ने स्टॉक मार्केट से 53,700 करोड़ रुपये निकाले, फाइनेंशियल सेक्टर में सर्वाधिक बिकवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में युद्ध की शुरुआत होने के बाद से ही दुनिया भर के स्टॉक मार्केट की तरह घरेलू शेयर बाजार भी लगातार दबाव में कारोबार कर रहा है। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) शेयर बाजार में जोरदार बिकवाली करके अपने पैसे की निकासी कर रहे हैं। विदेशी निवेशक सबसे अधिक फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली कर रहे हैं। मार्च के पहले पखवाड़े में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों की बिकवाली करके 31 हजार करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। जबकि फरवरी के महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने फाइनेंशियल सेक्टर में 8,400 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की थी। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मार्च के महीने में पहले पखवाड़े के कारोबार के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार में कुल मिला कर 53,700 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। इसमें अकेले फाइनेंशियल सेक्टर में ही 31,831 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए गए। फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों के अलावा विदेशी संस्थागत निवेशक टेलीकॉम, ऑटोमोबाइल, कंस्ट्रक्शन और ऑयल एंड गैस जैसे दूसरे सेक्टर्स में भी बिकवाली करते रहे।

मार्च के पहले पखवाड़े में विदेशी निवेशकों ने ऑटोमोबाइल सेक्टर में 4,807 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं टेलीकॉम सेक्टर में भी बिकवाली कर विदेशी निवेशकों ने मार्च के पहले पखवाड़े में 3,856 करोड़ रुपये की निकासी की। इसी तरह कंस्ट्रक्शन सेक्टर में मार्च के पहले पखवाड़े के दौरान विदेशी निवेशकों ने 2,975 करोड़ रुपये की बिकवाली की, जबकि ऑयल ऐंड गैस सेक्टर में विदेशी निवेशकों ने बिकवाली कर 2,932 करोड़ रुपये की निकासी की। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मार्च के पहले पखवाड़े के दौरान हेल्थ केयर सेक्टर से 2,436 करोड़ रुपये निकाले, वहीं एफएमसीजी सेक्टर में 2,403 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की। इसी तरह रियल्टी सेक्टर से विदेशी निवेशकों ने मार्च के पहले पखवाड़े के दौरान 2,133 करोड़ रुपये निकले, जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर से विदेशी निवेशकों ने 1,727 करोड़ रुपये निकले। इसके अलावा मार्च के पहले पखवाड़े में विदेशी निवेशकों ने शेयरों की बिकवाली कर कंस्ट्रक्शन मैटेरियल सेक्टर से 1,492 करोड़ रुपये और आईटी सेक्टर से 1,263 करोड़ रुपये की निकासी की। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण स्टॉक मार्केट के ज्यादातर सेक्टर में जबरदस्त बिकवाली होती रही। हालांकि इसी दौरान कैपिटल गुड्स, मेटल एंड माइनिंग, पावर और कंज्यूमर सर्विसेज सेक्टर के शेयरों में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने खरीदारी भी की। मार्च के पहले पखवाड़े के दौरान कैपिटल गुड्स सेक्टर में विदेशी निवेशकों ने 3,897 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इसी तरह मेटल एंड माइनिंग सेक्टर में विदेशी निवेशकों की खरीदारी का आंकड़ा 876 करोड़ रुपये का रहा। इसके अलावा मार्च के पहले पखवाड़े के दौरान पावर सेक्टर में विदेशी निवेशकों ने 602 करोड़ रुपये के और कंज्यूमर सर्विसेज सेक्टर के 531 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि घरेलू शेयर बाजार में फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में मार्च के पहले पखवाड़े के दौरान विदेशी निवेशकों द्वारा जम कर की गई बिकवाली की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव, बढ़ती बॉन्ड यील्ड से जुड़ी चिंताएं और रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा कैपिटल मार्केट में उधार देने के लिए लागू किए गए सख्त नियमों को माना जा सकता है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के अनुसार पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के कारण दुनिया भर के बाजार में लगातार तेज उतार-चढ़ाव हो रहा है। इसके साथ ही बॉन्ड यील्ड से जुड़ी चिंताओं के कारण भी ट्रेजरी पोर्टफोलियो पर लगातार निगेटिव असर पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में विदेशी संस्थागत निवेशक दुनिया भर के शेयर बाजारों में बिकवाली कर अपना पैसा निकालने की कोशिश में जुट गए हैं।

अमेरिकी खुफिया प्रमुख की चेतावनी : पाकिस्तान की मिसाइलें अमेरिका के लिए सीधा खतरा, 2035 तक बढ़ेंगी चुनौतियां

एजेंसी

वाशिंगटन डीसी। अमेरिकी खुफिया विभाग (DNI) की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने एक संसदीय सुनवाई के दौरान वैश्विक सुरक्षा को लेकर बेहद गंभीर और चौंकाने वाला आकलन पेश किया है। गबार्ड ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पाकिस्तान का मिसाइल कार्यक्रम अब केवल क्षेत्रीय मुद्दा नहीं, बल्कि सीधे तौर पर अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। अमेरिकी सीनेट की सिलेक्ट इंटेलिजेंस कमेटी के समक्ष गबार्ड ने बताया कि रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान और पाकिस्तान जैसे देश अपने मिसाइल डिलीवरी सिस्टम को अत्यधिक उन्नत और आधुनिक बनाने में जुटे हैं। हथियारों की संख्या में विस्फोट: खुफिया तंत्र के मुताबिक, वर्तमान में इन देशों के पास ऐसी लगभग 3,000 मिसाइलें हैं, जिनकी संख्या साल 2035 तक बढ़कर 16,000 से अधिक हो सकती है। घातक पेलोड: इन मिसाइलों में परमाणु और पारंपरिक, दोनों प्रकार के पेलोड ले जाने की क्षमता है, जो सीधे तौर पर अमेरिकी सीमाओं को अपनी ज़द में ले सकते हैं। तुलसी गबार्ड ने विशेष रूप से पाकिस्तान के दीर्घकालिक लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पाकिस्तान अपनी लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल तकनीक को विकसित कर रहा है।

अमेरिका की ईरान को चेतावनी, कतर पर हमला जारी रहा तो दुनिया के सबसे बड़े गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' को तबाह कर देगा

वाशिंगटन। ईरान के कतर के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी पर मिसाइल हमले पर अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मध्य-पूर्व युद्ध शुरू हुए लगभग तीन सप्ताह हो चुके हैं। इस दौरान ईरान अरब खाड़ी देशों में ऊर्जा से जुड़े अहम बुनियादी ढांचों पर अपने हमले तेज कर रहा है। इससे दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा खतरे में पड़ गई है और वैश्विक तेल की कीमतें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं। अमेरिका ने कहा कि अगर ईरान कतरे में हमले जारी रखता है तो उसके 'साउथ पार्स' को तबाह कर दिया जाएगा। साउथ पार्स को ईरान की अर्थव्यवस्था की लाइफ लाइन माना जाता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन को ईरान के गैस क्षेत्रों पर इजराइल के हमलों से अलग रखने की कोशिश की है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर ईरान ने कतर पर हमले जारी रखे तो अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' को पूरी तरह से तबाह कर देगा। ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान हमले नहीं रोकता तो ईरानी गैस क्षेत्र को उड़ा दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को साउथ पार्स पर हुए इजराइली हमले के बारे में कुछ भी पता नहीं था।

नेपाल में भारत के सहयोग से बन रहे रेलवे ट्रैक का काम मुआवजा विवाद के कारण रुका

काठमांडू। नेपाल में भारत के आर्थिक सहयोग से बन रहे रेलवे ट्रैक का काम मुआवजा विवाद के कारण रुक गया है। पूर्व-पश्चिम रेलवे परियोजना का काम बर्दिबास नगरपालिका क्षेत्र में 14 प्रभावित व्यक्तियों के मुआवजा विवाद के चलते प्रभावित हुआ है। भारत के सहयोग से जयनगर से महोत्तरी जिले की भंगहा नगरपालिका स्थित रेलवे स्टेशन तक रेल सेवा पहले ही शुरू हो चुकी है। लेकिन भंगहा से बर्दिबास तक का निर्माण कार्य मुआवजा भुगतान न होने के कारण रुक गया है। इन 14 प्रभावित लोगों को लगभग 7 से 8 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना है। रेलवे विभाग ने इस राशि की निकासी के लिए भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मंत्रालय से अनुरोध किया है। मुआवजा न मिलने से नाराज प्रभावित लोगों ने मजबूर होकर बर्दिबास में रेलवे निर्माण कार्य को रोक दिया। इस रेलवे ट्रैक का निर्माण कार्य कर रही कोंकण रेलवे ने नेपाल सरकार को पत्र लिख कर मुआवजा विवाद को जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह किया है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कतर से की बात: गैस प्लांट हमले पर जताई चिंता, ईरान के विदेश मंत्री अराघची बोले ये 'दुखद'

तेहरान। ईरान में सैन्य संघर्ष को 20 दिन हो गए हैं। 19वें दिन इजरायल ने पार्स गैस फील्ड को निशाना बनाया, जिसके जवाब में ईरान ने कतर के गैस प्लांट पर हमला किया। कई देशों ने इसकी निंदा की। फ्रांस के राष्ट्रपति ने भी इस पर फिक्र जाहिर की और ऐसा न करने की अपील भी की। उनके इस आग्रह में कुछ ऐसा था जो ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने मैक्रों के रवैये को 'दुखद' करार दिया। अराघची ने लिखा, 'मैक्रों ने ईरान पर इजरायल-यूएस के हमले की निंदा में एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने इजरायल की तब भी निंदा नहीं की थी, जब उसने तेहरान में ईंधन के गोदाम को उड़ा दिया था, जिससे लाखों लोग जहरीले पदार्थों के संपर्क में आ गए थे। अभी भी जो उन्होंने चिंता जाहिर की है उसमें गैस ठिकाने का जिक्र तक नहीं है, जिसके बाद हमने (ईरान) जवाबी कार्रवाई की। ये वाकई दुखद है!' ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इमैनुएल मैक्रों की उस पोस्ट का जवाब दिया जिसमें उन्होंने बुनियादी ढांचे पर हमलों को रोकने की अपील की थी। मैक्रों ने अपने पोस्ट में कहा था, ' ईरान और कतर में गैस उत्पादन सुविधाओं पर हुए हमलों के बाद, मैंने कतर के अमीर और राष्ट्रपति ट्रंप से बात की। ' उन्होंने बुनियादी ढांचों को निशाना बनाए जाने को गलत ठहराते हुए आगे कहा, 'बुनियादी ढांचे–विशेष रूप से ऊर्जा और जल आपूर्ति सुविधाओं–को निशाना बनाने वाले हमलों पर बिना किसी देरी के रोक लगाना ।

आतंकवादियों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बढ़ाई सक्रियता, टेक-आधारित रणनीति जरूरी: एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल

एजेंसी

वाशिंगटन। वाशिंगटन में एक अहम सुनवाई के दौरान काश पटेल ने अमेरिकी सीनेटरों के तीखे सवालों का सामना किया। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक के रूप में काश पटेल ने एजेंसी की आक्रामक आतंकवाद-रोधी रणनीति का बचाव किया और साफ कहा कि मौजूदा खतरे पहले से कहीं ज्यादा जटिल और तेजी से बदल रहे हैं। संयुक्त राज्य सीनेट खुफिया समिति की इस सुनवाई में सीनेटरों ने निगरानी, संसाधनों के इस्तेमाल और बढ़ते खतरों को लेकर कई सवाल उठाए, लेकिन काश पटेल पूरे समय आत्मविश्वास से भरे और आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने बार-बार यह दोहराया कि एफबीआई की रणनीति न केवल प्रभावी है, बल्कि जरूरी भी है। काश पटेल ने हाल के अभियानों का हवाला देते हुए कहा कि एफबीआई ने चार बड़े आतंकी हमलों को नाकाम किया है, जिनमें से तीन आईएसआईएस से प्रेरित थे। उन्होंने

यह भी बताया कि आतंकवादी संगठनों का काम करने का तरीका तेजी से बदल रहा है। अब ये संगठन डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए भर्ती कर रहे हैं, जिससे उनका दायरा और असर बढ़ गया है। पटेल ने कहा कि इस नई चुनौती से निपटने के लिए तकनीक-आधारित और सक्रिय रणनीति बेहद जरूरी हो गई है। जब रॉन वाइडन ने एफबीआई की निगरानी प्रणाली, खासकर कमर्शियल डाटा के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठाए। इस पर काश पटेल ने साफ कहा कि एजेंसी हर कदम संविधान और कानून के दायरे में रहकर उठाती है। उन्होंने किसी भी तरह के अधिकारों के दुरुपयोग के आरोपों को खारिज कर दिया।

काश पटेल ने यह भी बताया कि एफबीआई ने देशभर में 59 होमलैंड सिक्योरिटी टास्क फोर्स बनाई हैं, जो अलग-अलग एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि खुफिया जानकारी जुटाने और बायोमेट्रिक डाटा संग्रह में डबल डिजिट वृद्धि हुई है, जिससे संदिग्धों की पहचान और ट्रैकिंग आसान हुई है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अपराध और साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे पर भी चिंता जताई। काश पटेल ने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशिया में बड़े पैमाने पर ऐसे गिरोह सक्रिय हैं, जो अमेरिकी नागरिकों को ठग रहे हैं। एफबीआई इन नेटवर्क्स को खत्म करने के लिए विदेशी सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही है।

पूरी सुनवाई के दौरान काश पटेल ने इस बात का विशेष जिक्र किया कि बदलते खतरों से आगे रहने के लिए एजेंसियों के बीच सहयोग और संसाधनों का विस्तार बेहद जरूरी है।

मिडल ईस्ट महायुद्ध : ईरान का कतर पर बड़ा हमला, वैश्विक ऊर्जा बाज़ार में हड़कंप

एजेंसी

दोहा/तेहरान। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध की आग अब खतरनाक स्तर पर पहुँच गई है। दुनिया के सबसे बड़े नेचुरल गैस फील्ड 'साउथ पार्स' पर इजरायली हमले के जवाब में ईरान ने कतर के रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र पर मिसाइल हमला किया है। इस हमले ने न केवल कतर के पेट्रोलियम ढांचे को भारी नुकसान पहुँचाया है, बल्कि वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति श्रृंखला को भी हिलाकर रख दिया है। जवाबी कार्रवाई : ईरान के 'साउथ पार्स' गैस फील्ड पर इजरायली हमले के कुछ ही घंटों बाद ईरान ने कतर के मुख्य गैस प्लांट को निशाना बनाया। कतर का कड़ा रुख : हमले के बाद कतर ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से निकाल दिया है और इसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा पर सीधा हमला करार दिया है।

सऊदी अरब में भी खतरा : सऊदी अरब ने अपने पूर्वी इलाके में ऊर्जा ठिकानों की ओर बढ़ते ईरानी ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया है। रियाद के पास एक रिफाइनरी पर बैलिस्टिक मिसाइल का मलबा गिरने की भी खबर है। आर्थिक प्रभाव : होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) से जहाजों की आवाजाही ठप होने के डर से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित से अधिक का उछाल आया है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस स्थिति पर चिंता जताते हुए डोनाल्ड ट्रंप और कतर के अमीर से बात की है।

उन्होंने अपील की है कि नागरिक और ऊर्जा ढांचे को सैन्य तनाव से दूर रखा जाए, वरना इसके 'बेकाबू परिणाम' पूरी दुनिया को भुगतने होंगे।

विशेषज्ञ रायः विशेषज्ञों का मानना है कि यदि होर्मुज की खाड़ी पूरी तरह बंद होती है, तो यह आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा कर सकता है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने ईद के अवसर पर की युद्धविराम की घोषणा

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने ईद-उल-फ़ितर के अवसर पर शत्रुता में 'अस्थायी विराम' की घोषणा की। यह कदम सऊदी अरब, तुर्की और क़तर की अपीलों के बाद उठाया गया। हालांकि, अफगानिस्तान द्वारा पाकिस्तान पर सौ से अधिक लोगों की मौत वाले घातक हमले का आरोप लगाए जाने के बाद अभी भी तनाव बना हुआ है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तारर ने यह घोषणा सोशल साइट एक्स पर की लेकिन कुछ घंटे बाद ही ताजातरीन हवाई हमले कथित तालिबान ठिकानों पर सीमा के पास दर्ज किए गए। तारर ने कहा कि ईद-उल-फ़ितर को ध्यान में रखते हुए अपनी पहल पर और भाईचारे वाले इस्लामिक देशों सऊदी अरब, कतर और तुर्की के अनुरोध पर पाकिस्तान ने ऑपरेशन ग़ज़ाब-लिल-हक़ के दौरान अस्थायी विराम की घोषणा करने का निर्णय लिया है। तारर ने स्पष्ट किया कि यह विराम '18/19 मार्च की मध्यरात्रि से 23/24 मार्च की मध्यरात्रि तक' लागू रहेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि किसी भी सीमा पार हमले, ड्रोन हमले या पाकिस्तान में आतंकवादी घटना होने पर ऑपरेशन तुरंत फिर से शुरू कर दिया जाएगा। पाकिस्तान की घोषणा के तुरंत बाद अफगान सरकार के प्रवक्ता ज़बिउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान सुरक्षा व रक्षा बल भी ईद की अवधि के दौरान सऊदी अरब, तुर्की व क़तर की समान अपीलों के जवाब में रक्षात्मक संचालन रोकेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उकसाया गया तो अफगानिस्तान तुरंत जवाब देने में संकोच नहीं करेगा और कहा कि अफगानिस्तान 'किसी भी खतरे की स्थिति में आक्रमण का साहसपूर्वक जवाब देगा। ' इस संघर्ष विराम की घोषणा उस दिन के बाद आई है जब तालिबान के नेतृत्व वाले प्रशासन ने काबुल में पाकिस्तान पर घातक हमला करने का आरोप लगाया। उप-प्रवक्ता हम्दुल्लाह फ़ित्रात ने आरोप लगाया कि सोमवार रात को काबुल में एक नशामुक्ति केंद्र को निशाना बनाकर बमबारी की गई, जिसमें कम से कम 400 लोगों की मौत हुई और लगभग 250 लोग घायल हुए। अफगानिस्तान में बुधवार को इस हमले में मारे गए लोगों के लिए सामूहिक अंतिम संस्कार किया गया, जिसने दुनिया का व्यापक ध्यान और निंदा खींची। अफगानिस्तान के आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक़्क़ानी ने इस हमले को 'मानवता और इस्लामी सिद्धांतों के खिलाफ अत्यंत घृणित और नीच कृत्य' बताया, जैसा कि तोलो न्यूज़ ने रिपोर्ट किया।

हमलों से ईरान हुआ कमजोर, लेकिन खतरा अभी खत्म नहीं: अमेरिकी इंटेलिजेंस

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी इंटेलिजेंस अधिकारियों ने सीनेटरों को बताया कि हाल के अमेरिकी अभियानों से ईरान की सैन्य और रणनीतिक क्षमताएं काफी कम हो गई हैं, लेकिन सरकार अभी बनी हुई है और अमेरिकी हितों और इलाके की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने कहा कि ईरानी शासन कमजोर हुआ है, लेकिन खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने स्थानीय समयानुसार बुधवार को सीनेट सिलेक्ट इंटेलिजेंस कमेटी को बताया, 'आईसी (इंटेलिजेंस कम्युनिटी) का अंदाजा है कि ईरान में सैन्य क्षमताओं पर हमलों की वजह से यह काफी हद तक कमजोर हो गया है। इसकी पारंपरिक सैन्य शक्ति दिखाने की क्षमता काफी हद तक खत्म हो गई है, जिससे विकल्प कम रह गए हैं। ' अधिकारियों ने चेतावनी दी कि तेहरान के पास समय के साथ अपनी सैन्य ताकत को फिर से बनाने का इरादा और क्षमता दोनों हैं। उन्होंने कहा, 'आईसी का अंदाजा है कि अगर कोई दुश्मन शासन (ईरानी सरकार) बचता है, तो वह शायद अपनी सैन्य, मिसाइलों और यूएवी फोर्स को फिर से बनाने के लिए सालों तक चलने वाली कोशिश शुरू करेगा। ' सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान लंबे समय से खतरा बना हुआ है। उन्होंने सीनेटरों से कहा, 'मुझे लगता है कि ईरान लंबे समय से अमेरिका के लिए लगातार खतरा रहा है और इस समय भी यह तुरंत खतरा बन गया है। ' उन्होंने ईरान की मिसाइल बनाने की महत्वाकांक्षाओं के बारे में भी चिंता जताई। रैटक्लिफ ने तेहरान की बढ़ती मिसाइल और स्पेस लॉन्च टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए कहा, 'अगर उन्हें बिना रोक-टोक के छोड़ दिया जाए, तो उनके पास पूरे अमेरिका तक मिसाइलें दागने की क्षमता होगी। '

इंटेलिजेंस असेसमेंट में कहा गया है कि ईरान अमेरिका और उसके साथियों के साथ लगातार लड़ाई में शामिल है। तुलसी गबार्ड ने कहा, 'ईरान और उसके प्रॉक्सी मिडिल ईस्ट में अमेरिका और उसके साथियों के हितों पर हमला करते रहते हैं। '

सैन्य नाकामियों के बावजूद उम्मीद है कि सरकार अंदर से मजबूत रहेगी, भले ही आर्थिक और राजनीतिक दबाव बढ़ रहे हों। उन्होंने कहा, 'आईसी का अंदाजा है कि ईरान की अर्थव्यवस्था खराब होने से अंदर का तनाव बढ़ने की संभावना है। '

कतर में हमले से भड़के ट्रंप ने ईरान को दी तबाह करने की चेतावनी, बोले-हिचकिचाऊंगा नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन। इजरायल ने ईरान के सबसे बड़े पार्स गैस फील्ड पर भीषण हमला किया है। साउथ पार्स दुनिया की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस फील्ड मानी जाती है। वहीं, जवाबी कार्रवाई में ईरान ने कतर की मेन गैस फैसिलिटी पर बड़ा हमला किया है। ईरान के इस हमले में कतर को भारी नुकसान हुआ है। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी चेतावनी सामने आई है। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका बिना इजरायल की मदद या सहमति के ही ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड को इतनी ताकत से उड़ा सकता है, जितनी उसने पहले कभी नहीं देखी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा है कि उन्हें इजरायल की ओर से किए गए हमले के बारे में कुछ नहीं पता था। ट्रूथ सोशल पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, 'मिडिल ईस्ट में जो हुआ, उससे गुस्से में इजरायल ने ईरान में दक्षिण पार्स गैस फील्ड नाम की एक बड़ी फैसिलिटी पर हिंसक हमला किया है। पूरे इलाके का एक छोटा सा हिस्सा ही प्रभावित हुआ है। अमेरिका को इस खास हमले के बारे में कुछ

नहीं पता था और कतर किसी भी तरह से इसमें शामिल नहीं था और न ही उसे इस बात का कोई अंदाजा था कि ऐसा होने वाला है।' ट्रंप ने कहा है कि इजरायल साउथ पार्स फील्ड पर और हमला नहीं करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'बदकिस्मती से ईरान को यह या साउथ पार्स हमले से जुड़ी कोई भी जरूरी बात नहीं पता थी और उसने गलत तरीके से कतर की एलएनजी गैस फैसिलिटी के एक हिस्से पर हमला कर दिया। इजरायल इस बहुत जरूरी और कीमती साउथ पार्स फील्ड पर कोई और हमला नहीं करेगा। ' वहीं कतर पर ईरान के हमले को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सीधा कहा है कि अगर ईरान कतर पर हमला करता है तो अमेरिका उसकी रक्षा के लिए ईरान को जवाब देगा। उन्होंने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, 'अमेरिका, इजरायल की मदद या सहमति के बिना, पूरे साउथ पार्स गैस क्षेत्र को इतनी ताकत से उड़ा देगा जैसा ईरान ने पहले कभी नहीं देखा होगा। मैं इस स्तर की हिंसा और तबाही की इजाजत नहीं देना चाहता, क्योंकि इसका ईरान के भविष्य पर लंबे समय तक असर पड़ेगा, लेकिन अगर कतर के एलएनजी पर फिर से हमला होता है, तो मैं ऐसा करने में हिचकिचाऊंगा नहीं। '

वहीं ईरान की ओर से की गई इस कार्रवाई पर कतर का भी गुस्सा फूटा है। कतर के विदेश मंत्रालय ने ईरान के सैन्य और सुरक्षा अटैशे (राजनयिक) को उनके स्टाफ के साथ 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का आदेश दिया है। मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'एम्बेसी में सैन्य अटैशे और सुरक्षा अटैशे, दोनों अटैची ऑफिस में काम करने वालों के अलावा, पर्सोना नॉन ग्राटा हैं और उनसे अपील की जाती है कि वे ज्यादा से ज्यादा 24 घंटे के अंदर देश के इलाकों को छोड़ दें।' सैन्य अटैशे किसी देश की सेना का वह वरिष्ठ अधिकारी होता है, जिसे दूसरे देश में स्थित अपने दूतावास में तैनात किया जाता है।

जेडी वेंस ने रोजगार बढ़ाने के प्रयासों को व्यापार से जोड़ा, ईंधन की कीमतों में वृद्धि को 'अस्थायी उतार-चढ़ाव' बताया

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने औद्योगिक राज्य मिशिगन में दिए गए एक भाषण में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीतियों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि कर कटौती, नियमों में ढील और सख्त व्यापार रुख विनिर्माण क्षेत्र को फिर से मजबूत करने में मदद कर रहे हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि मध्य पूर्व में तनाव के कारण ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से अल्पकालिक दबाव बना हुआ है। मिशिगन के ऑबर्न हिल्स स्थित इंजीनियरिंग डिजाइन सर्विसेज इन्कॉर्पोरेटेड में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए जे.डी. वेंस ने प्रशासन की नीति को इस रूप में पेश किया कि यह वर्षों से फैक्ट्रियों के बंद होने और नौकरियों के नुकसान के बाद घरेलू उद्योग को फिर से खड़ा करने का प्रयास है। उन्होंने कहा, 'हम अमेरिकी नौकरियों को विदेश भेजने से तंग आ चुके थे। हम अमेरिकी उद्योग को विदेश भेजने से तंग आ चुके थे। हम यहीं मिशिगन में, यहीं अपने देश में, यहीं संयुक्त राज्य अमेरिका में निर्माण करेंगे और हमने यही किया है। ' भारतीय मूल के रिपब्लिकन नेता सनी रेड्डी ने वेंस के लिए स्वागत भाषण दिया।इस भाषण में यह स्पष्ट दिखा कि ट्रंप प्रशासन अपनी आर्थिक उपलब्धियों को किस तरह पेश कर रहा है कि अधिक घरेलू उत्पादन, कम कर, कम नियम और उन व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लगाने की तैयारी, जिनके बारे में उसका कहना है कि उन्होंने अमेरिकी श्रमिकों की कीमत पर लाभ उठाया है। वेंस ने कहा कि 'ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से मिशिगन में 2,000 से अधिक विनिर्माण नौकरियां जुड़ी हैं।' उन्होंने राज्य के औद्योगिक ढांचे जिसमें इंजीनियरिंग कंपनियां, रोबोटिक्स और ऑटोमोबाइल निर्माण शामिल हैं।

कतर ने रास लफ्फान पर हमले के बाद ईरानी राजनयिकों को 'पर्सोना नॉन ग्राटा' किया घोषित

एजेंसी

दोहा। कतर ने रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी को निशाना बनाकर किए गए ईरानी हमले की कड़ी निंदा की है। कतर ने कहा कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 का उल्लंघन है। इस हमले के बाद ईरानी दूतावास के सैन्य अटैशे और सुरक्षा अटैशे के साथ-साथ उनके ऑफिस के स्टाफ को भी 'पर्सोना नॉन ग्राटा' घोषित कर दिया और उन्हें 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का निर्देश दिया गया। जब कोई देश किसी विदेशी राजनयिक को स्वीकार नहीं करता या उसे देश छोड़ने के लिए कह देता है, तो उसे पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया जाता है। एक आधिकारिक बयान में कतर ने इस हमले को देश की आजादी का खुला उल्लंघन और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और इलाके की स्थिरता के लिए सीधा खतरा बताया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कतर शुरू से ही इस संघर्ष से खुद को दूर रखने की नीति पर चल रहा

है। तनाव बढ़ने से बचने के वादे के बावजूद ईरान ने उसे और पड़ोसी देशों को निशाना बनाना जारी रखा है। यह एक गैर-जिम्मेदाराना तरीका है जो इलाके की सुरक्षा को कमजोर करता है और अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरा है।मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि कतर ने बार-बार कहा है कि इलाके के संसाधनों को बचाने और वैश्विक शांति की रक्षा के लिए ईरान के अंदर मौजूद नागरिक और ऊर्जा फैसिलिटी को निशाना बनाने से बचें। हालांकि कतर ने यह भी कहा कि ईरान की लगातार बढ़ती नीतियां इलाके को खतरे की ओर धकेल रही हैं और उन देशों के भी संघर्ष में शामिल होने का खतरा है जो सीधे तौर पर संकट में शामिल नहीं हैं। कतर ने आगे कहा कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 का उल्लंघन है। उसने यूएन के सुरक्षा परिषद से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने और ऐसे गंभीर उल्लंघनों को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने और लोगों को जिम्मेदार ठहराने की अपनी अपील दोहराई। मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि कतर के पास यूनाइटेड नेशंस चार्टर के आर्टिकल 51 के अनुसार जवाब देने का अधिकार है, जो सेल्फ-डिफेंस के अधिकार की गारंटी देता है। उसने जोर देकर कहा कि देश अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और अपने नागरिकों और रहने वालों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने में हिचकिचाएगा नहीं।

'ईद पर जश्न का समय, दुख में बदल गया', पाकिस्तानी हमले में घायल हुए लोगों से मिलने पहुंचे एसीबी अधिकारी और क्रिकेटर

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के प्रतिनिधियों ने और अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने काबुल के उस हॉस्पिटल का दौरा किया, जहां कुछ दिन पहले पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक में 400 लोगों के मरने की खबर आई थी। एयरस्ट्राइक में करीब 250 लोग घायल भी हुए थे। एसीबी के प्रतिनिधि और राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी घायलों से मिलकर उनका हालचाल जानने पहुंचे थे। एसीबी ने एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'एसीबी अधिकारियों और अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के सदस्यों ने पाकिस्तान की सेना द्वारा हाल ही में किए गए एयरस्ट्राइक में घायल हुए लोगों से मुलाकात की और काबुल इमरजेंसी और वजीर अकबर खान हॉस्पिटल में सपोर्ट और संवेदनाएं दीं। सीईओ नसीब खान के नेतृत्व में, उन्होंने घायलों की सेहत के बारे में पूछा, हमले की निंदा की और संवेदनाएं जाहिर कीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मदद का इंतजाम किया जाएगा साथ ही इस मुश्किल समय में उनकी मदद की अपील भी की।' इससे पहले, बोर्ड ने पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक की कड़ी निंदा की थी, जिसमें तालिबान अधिकारियों और स्थानीय मीडिया के मुताबिक करीब 400 लोग मारे गए और कम से कम 250 घायल हुए थे। इस दुखद घटना को दिल दहला देने वाला बताते हुए, बोर्ड ने कहा कि जो रमजान के दौरान और ईद से पहले जश्न का समय होना चाहिए था, वह कई अफगान परिवारों के लिए दुख में बदल गया। हॉस्पिटल पहुंचे खिलाड़ियों में वनडे और टेस्ट कप्तान हशमतुल्लाह

शाहिदी, ऑलराउंडर गुलबदीन नायब और कैस अहमद जैसे खिलाड़ी शामिल थे। क्रिकेटरों ने घायलों से मिलकर उनके और उनके परिवारों के प्रति एकजुटता दिखाई। अफगान क्रिकेटर राशिद खान और नवीन-उल-हक ने हमलों की निंदा की थी। क्रिकेटरों ने संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार आयोग से जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की अपील की थी।

कंबोडिया में फंसे 20 नेपाली नागरिकों को सुरक्षित काठमांडू पहुंचाया गया

एजेंसी

काठमांडू। कंबोडिया में विभिन्न कारणों से फंसे 20 नेपाली नागरिकों का सफलतापूर्वक निकाल लिया गया है। ये सभी लोग अलग-अलग प्रलोभनों में आकर कंबोडिया पहुंचे थे, जिन्हें नेपाल दूतावास बैंकक ने बचाया। दूतावास के अनुसार, इन लोगों को ऑनलाइन स्कैमिंग केंद्रों, ठगी करने वाले कैसीनो और अन्य अवैध गतिविधियों में लगाया गया था, जबकि कुछ लोग बिना वीजा के वहां रह रहे थे। इन लोगों को दूतावास की पहल और कंबोडिया सरकार के सहयोग से बचाया गया। इन नागरिकों को गैरआवासीय नेपाली संघ कंबोडिया के समन्वय से बुधवार को काठमांडू भेजा गया। यह सभी आज त्रिभुवन अन्तरराट्रीय विमानस्थल पर सुरक्षित पहुंचे। दूतावास ने बयान जारी कर यह भी जानकारी दी है कि कंबोडिया में अभी और भी नेपाली नागरिक फंसे हुए हैं। उन्हें भी जल्द वापस लाने के प्रयास जारी हैं।कठिन परिस्थितियों में रह रहे नेपाली नागरिकों से अपील की गई है कि वे बैंकॉक स्थित नेपाली दूतावास या गैर आवासीय नेपाली संघ कंबोडिया के प्रतिनिधियों से संपर्क करें। कंबोडिया के पर्यटन आंकड़ों के अनुसार, हाल के वर्षों में वहां जाने वाले नेपाली नागरिकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। वर्ष 2021 में 101 नेपाली नागरिक, 2022 में 1,977, 2023 में 2,940, 2024 में 6,404, 2025 में 9,676 नेपाली नागरिक कंबोडिया पहुंचे।

अमेरिका के सामने एक ही समय में परमाणु शक्ति संपन्न देशों रूस और चीन को रोकने की चुनौती : पेंटागन

एजेंसी

वॉशिंगटन। वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने विधायकों को बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका को एक ही समय में दो परमाणु शक्तियों को रोकने की 'अभूतपूर्व चुनौती' का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, सैन्य नेताओं ने चीन और रूस से परमाणु, मिसाइल और अंतरिक्ष क्षेत्रों में बढ़ते खतरों के बारे में चेतावनी दी। हाउस आर्म्ड सर्विसेज की स्ट्रैटेजिक फोर्सेज की सुनवाई में परमाणु निरोधक और रासायनिक व जैविक रक्षा के लिए रक्षा विभाग के सहायक सचिव रॉबर्ट कैडलेक ने कहा कि अमेरिकी रणनीति 'एक महत्वपूर्ण मोड़' पर पहुंच गई है। कैडलेक ने कहा, 'चीन के रणनीतिक परमाणु विस्तार का मतलब है कि अब हमें एक साथ दो परमाणु शक्तियों को रोकने की अभूतपूर्व चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यह कोई दूर की समस्या नहीं है। यह आज हमारी रक्षा रणनीति की केंद्रीय चुनौती है। ' उन्होंने कहा कि चीन 'अपने इतिहास के सबसे तेज और अस्पष्ट परमाणु विस्तार' में लगा हुआ है जबकि रूस के पास अब भी 'दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु भंडार' है और वह दबाव बनाने के लिए परमाणु बलों पर निर्भर बना हुआ है। कैडलेक ने कहा कि अमेरिका को 'कई क्षेत्रों में समन्वित या अवसरवादी आक्रामकता की वास्तविक संभावना' के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि वॉशिंगटन को अपने प्रतिद्वंद्वियों के बराबर 'हर वारहेड के बदले वारहेड' रखने की जरूरत नहीं है लेकिन ऐसी क्षमता जरूर होनी चाहिए जो किसी भी स्थिति में 'दोनों विरोधियों पर अस्वीकार्य लागत थोप सके। ' उन्होंने सेंटिनल अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल, कोलंबिया-श्रेणी की पनडुब्बी, बी-21 बॉम्बर और लॉन्ग रेंज स्टैंड-ऑफ क्रूज मिसाइल के लिए पूर्ण फंडिंग और जहां संभव हो, तेजी लाने की मांग की।कैडलेक ने थिएटर-रेंज परमाणु विकल्पों की भी वकालत की। उन्होंने कहा, 'एसएलसीएम-एन इसका एक उदाहरण है। यह अत्यंत आवश्यक है और किसी समान शक्ति वाले प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। 'सुनवाई में अंतरिक्ष को लेकर बढ़ती चिंता भी उजागर हुई। यूएस स्पेस कमांड के कमांडर जनरल स्टीफन व्हाइटिंग ने कहा कि अमेरिकी सैन्य अभियान अब काफी हद तक अंतरिक्ष प्रणालियों पर निर्भर हैं और चेतावनी दी कि प्रतिद्वंद्वी उन्हें चुनौती देने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। व्हाइटिंग ने कहा, 'कोई गलती न करें, हमारे विरोधी खतरनाक गति से आगे बढ़ रहे हैं और हमें अंतरिक्ष के उपयोग से वंचित करने की क्षमताएं विकसित और तैनात कर रहे हैं। ' उन्होंने कहा कि चीन ने अपनी सेनाओं में अंतरिक्ष-आधारित प्रभावों को एकीकृत कर लिया है और ऐसे हथियार विकसित कर रहा है जो 'हमारे उपग्रहों को मात देने और नष्ट करने के लिए विशेष रूप से बनाए गए हैं। ' रूस के बारे में उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी संपत्तियों को बाधित करने वाली क्षमताओं का प्रदर्शन करता रहा है, जिसमें 'कक्षा में परमाणु हथियार तैनात करने की संभावित योजना' भी शामिल है।

अंतरिक्ष नीति के लिए रक्षा विभाग के सहायक सचिव मार्क बर्कोविट्ज़ ने अपने बयान में राष्ट्रपति ट्रंप की प्रस्तावित 'गोल्डन डोम फॉर अमेरिका' योजना का समर्थन किया और इसे 'संयुक्त राज्य अमेरिका के सामने मौजूद सबसे विनाशकारी खतरों के खिलाफ एक व्यापक अगली पीढ़ी की रक्षा प्रणाली' बताया। बर्कोविट्ज़ ने कहा, 'गोल्डन डोम हमारे देश, नागरिकों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और जवाबी हमले की क्षमता की रक्षा करेगा।' उन्होंने इसे बैलिस्टिक मिसाइलों, हाइपरसोनिक हथियारों और उन्नत क्रूज मिसाइलों से बढ़ते खतरों के प्रति 'आवश्यक और व्यावहारिक प्रतिक्रिया' बताया।

page 1 and 8 mar 20_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/19/2026 10:39 PM Page 2

लीची की खेती

भूपिंदर

लीची का फल अपने आकर्षक रंग, स्वाद और गुणवत्ता के कारण भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में अपना विशिष्ट स्थान बनाए हुए है। लीची उत्पादन में भारत का विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान है। पिछले कई वर्षों में इसके निर्यात की अपार संभावनाएँ विकसित हुई हैं। परन्तु अन्तरराष्ट्रीय बाजार में बड़े एवं समान आकार तथा गुणवत्ता वाले फलों की ही अधिक मांग है। अत: अच्छी गुणवत्ता वाले फलों के उत्पादन की तरफ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसकी खेती के लिए एक विशिष्ट जलवायु की आवश्यकता होती है, जो सभी स्थानों पर उपलब्ध नहीं है।

अत: लीची की बागवानी मुख्य रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड में की जाती है। इसके अतिरिक्त पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, जम्मू और कुछ क्षेत्रों में इसके सफल उत्पादन का प्रयास किया जा रहा है।

हमारे देश की लीची अपनी गुणवत्ता के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध हो रही है।

लीची के फल पोषक तत्वों से भरपूर एवं स्फूर्तिदायक होते हैं। इसके फल में शर्करा (11 प्रतिशत), प्रोटीन (0.। प्रतिशत), वसा (0.3 प्रतिशत) और अनेक विटामिन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

लीची का फल मरीजों एवं वृद्धों के लिए भी उपयोगी माना गया है। लीची के फल मुख्यत: ताजे रूप में ही खाए जाते हैं। इसके फलों से अनेक प्रकार के परिरक्षित पदार्थ जैसे- जैम, पेय पदार्थ (शरबत, नेक्टर, कार्बोनेटेड पेय) एवं डिब्बा बंद फल तैयार किए जाते है। लीची का शर्बत अपने स्वाद एवं खुशबू के लिए लोकप्रिय होता जा रहा है। लीची-नट', फलों को सुखाकर बनाया जाता है। भारत में लीची का ताजा फल मई से जुलाई तक उपलब्ध होता है, जिसे अन्तरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात करके विदेशी मुद्रा अर्जित की जा सकती है।

चूंकि जब भारत में लीची तैयार होती है उस समय अन्तरराष्ट्रीय बाजार में लीची फलों का अभाव रहता है। अत: भारत अन्तरराष्ट्रीय बाजार में मुख्य निर्यातक के रूप में स्थापित हो सकता है।

चूँकि लीची बहुत महत्व का फल है इसलिए यदि बागान बन्धु इसकी बागवानी वैज्ञानिक तकनीक से करें, तो इसकी फसल से अधिकतम तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

समशीतोष्ण जलवायु लीची के उत्पादन के लिए बहुत ही उपयुक्त पायी गई है। ऐसा देखा गया है, कि जनवरी से फरवरी माह में आसमान साफ रहने, तापमान में वृद्धि एवं शुष्क जलवायु होने से लीची में अच्छा मंजर आता है, जिसमें ज्यादा फूल एवं फल लगते हैं। मार्च एवं अप्रैल में गर्मी कम पड़ने से लीची के फलों का विकास अच्छा होता है, साथ ही अप्रैल से मई में वातावरण में सामान्य आर्द्रता रहने से फलों में गूदे का विकास एवं गुणवत्ता में सुधार होता है। सम आर्द्रता से फलों में चटखन भी कम हो जाती है। फल पकते समय वर्षा होने से फलों का रंग एवं गुणवत्ता प्रभावित होती है।

लीची की बागवानी के लिए सामान्य पी एच मान वाली गहरी बलुई दोमट मिट्टी अत्यन्त उपयुक्त होती है। उत्तरी भारत की कैलकेरियस मृदा जिसकी जल धारण क्षमता अधिक है, इसकी खेती के लिए उत्तम मानी गई है। लीची की खेती हल्की अम्लीय एवं लेटराइट मिट्टी में भी सफलतापूर्वक की जा रही है। अधिक जलधारण क्षमता एवं हूमस युक्त मिट्टी में इसके पौधों में अच्छी बढ़वार एवं फलोत्पादन होता है। जल भराव वाले क्षेत्र लीची के लिए उपयुक्त नहीं होते अत: इसकी खेती जल निकास युक्त उपरवार भूमि में करने से अच्छा लाभ प्राप्त होता है।

उन्नत किस्में

अगेती किस्में- शाही, त्रिकोलिया, अझौली, ग्रीन और देशी प्रमुख है, जो 15 से 30 मई के आसपास पककर तैयार हो जाती है।

मध्यम किस्में- रोज सेन्टेड, डी-रोज, अर्ली बेदाना और स्वर्ण रूपा प्रमुख है, जो 1 से 20 जून के आसपास पककर तैयार हो जाती है।

पछेती किस्में- चाइना, पूर्वी और कसबा प्रमुख है, जो 10 से 25 जून के आसपास पककर तैयार हो जाती है।

लीची की व्यावसयिक खेती के लिए गूटी विधि द्वारा तैयार पौधों का ही उपयोग किया जाना चाहिए। बीजू पौधों में पैतृक गुणों के अभाव के कारण अच्छी गुणवत्ता के फल नहीं बनते हैं तथा उनमें फलन भी देर से होती है।

गूटी से पौधे तैयार करने के लिए मई से जून के महीने में स्वस्थ एवं सीधी डाली चुन कर डाली के शीर्ष से 40 से 50 सेंटीमीटर नीचे किसी गांठ के पास गोलाई में 2 सेंटीमीटर चौड़ा छल्ला बना लेते हैं। छल्ले के ऊपरी सिरे पर आई बी ए के 2000 पी पी एम पेस्ट का लेप लगाकर छल्ले को नम मॉस घास से ढककर ऊपर से 400 गेज की सफेद पालीथीन का टुकड़ा लपेट कर सुतली से कसकर बाँध देना चाहिए।

गूटी बाँधने के लगभग 2 माह के अंदर जड़ें पूर्ण रूप से विकसित हो जाती है। अत: इस समय डाली की लगभग आधी पत्तियों को निकालकर एवं मुख्य पौधे से काटकर नर्सरी में आंशिक छायादार स्थान पर लगा दिया जाता है।

मॉस घास के स्थान पर तालाब की मिट्टी (40 किलोग्राम), अरण्डी की खली (2 किलोग्राम), यूरिया (20.0 ग्राम) के सड़े हुए मिश्रण का भी प्रयोग कर सकते हैं। पूरे मिश्रण को अच्छी तरह मिलाकर एवं हल्का नम करके एक जगह ढेर कर देते हैं और उसे जूट के बोरे या पालीथीन से 15 से 20 दिनों के लिए ढक देते हैं।

जब गूटी बांधनी हो तब मिश्रण को पानी के साथ आँटे की तरह गूंथ कर छोटी-छोटी लोई (200 ग्राम) बना ले जिसे छल्लों पर लगाकर पालीथीन से बांध दें इस प्रकार गूटी बाँधने से जड़े अच्छी निकलती है तथा पौध स्थापना अच्छी होती है।

लीची का पूर्ण विकसित वृक्ष आकार में बड़ा होता है। अत: इसे औसतन 10 X 10 मीटर की दूरी पर लगाना चाहिए। लीची के पौध की रोपाई से पहले खेत में रेखांकन करके पौधा लगाने का स्थान सुनिश्चित कर लेते हैं। तत्पश्चात् चिन्हित स्थान पर अप्रैल से मई माह में 90 × 90 × 90 सेंटीमीटर आकार के गड्ढे खोद कर ऊपर की आधी मिट्टी को एक तरफ तथा नीचे की आधी मिट्टी को दूसरे तरफ रख लेते हैं।

वर्षा प्रारम्भ होते ही जून के महीने में 2 से 3 टोकरी गोबर की सड़ी हुई खाद (कम्पोस्ट), 2 किलोग्राम करंज अथवा नीम की खली, 1.0 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 50 ग्राम क्लोरपाईफास धूल 20 ग्राम फ्यूराडान 20 ग्राम थीमेट- 10 जी को गड्ढे की ऊपरी सतह की मिट्टी में अच्छी तरह मिलाकर गड्ढा भर देना चाहिए। गड्ढे को खेत की सामान्य सतह से 10 से 15 सेंटीमीटर ऊँचा भरना चाहिए।

वर्षा ऋतु में गड्ढे की मिट्टी दब जाने के बाद उसके बीचों बीच में खुरपी की सहायता से पौधे की पिंडी के आकार की जगह बनाकर पौधा लगा देना चाहिए। पौधा लगाने के पश्चात् उसके पास की मिट्टी को ठीक से दबा दें एवं पौधे के चारों तरफ एक थाला बनाकर 2 से 3 बाल्टी (25 से 30 लीटर) पानी डाल देना चाहिए। तत्पश्चात् वर्षा न होने की स्थिति में पौधों के पूर्णस्थापना होने तक पानी देते रहना चाहिए।

प्रारम्भ के 2 से 3 वर्षों तक लीची के पौधों को 30 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली, 250 ग्राम यूरिया, 150 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट तथा 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति पौधा प्रति वर्ष की दर से देना चाहिए। तत्पश्चात् पौधे की बढ़वार के साथ-साथ खाद की मात्रा में वृद्धि करते जाना चाहिए। करंज की खली एवं कम्पोस्ट के प्रयोग से लीची के फल की गुणवत्ता एवं पैदावार में वृद्धि होती है। लीची के पौधों में फल तोड़ाई के बाद नए कल्ले आते हैं, जिनपर अगले वर्ष फलन आती है।

इसलिए अधिक औजपूर्ण एवं स्वस्थ कल्लों के विकास के लिये खाद, फॉस्फोरस एवं पोटाश की सम्पूर्ण एवं नेत्रजन की दो तिहाई मात्रा जून से जुलाई में फल की तोड़ाई एवं वृक्ष के काट-छांट के साथ-साथ देना चाहिये। परीक्षण से यह देखा गया है, कि पूर्ण विकसित पौधों के तनों से 200 से 250 सेंटीमीटर की दूरी पर गोलाई में 60 सेंटीमीटर गहरी मिट्टी के मिश्रण से भर दें। इस प्रक्रिया से पौधों में नई शोशक जड़ों (फीडर रूट्स) का अधिक विकास होता है तथा खाद एवं उर्वरक का पूर्ण उपयोग होता है।

खाद देने के पश्चात् यदि वर्षा नहीं होती है, तो सिंचाई करना आवश्यक है। लीची के फलों के तोड़ाई के तुरन्त बाद खाद दे देने से पौधों में कल्लों का विकास अच्छा होता है तथा फलन अच्छी होती है। शेष नेत्रजन की एक तिहाई मात्रा फल विकास के समय जब फल मटर के आकार का हो जाएँ सिंचाई के साथ देना चाहिए।

अम्लीय मृदा में 10 से 15 किलोग्राम चूना प्रति वृक्ष 3 वर्ष के अन्तराल पर देने से उपज में वृद्धि देखी गई है। जिन बगीचों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई दे उनमें 150 से 200 ग्राम जिंक सल्फेट प्रति वृक्ष की दर से सितम्बर माह में अन्य उर्वरकों के साथ देना लाभकारी पाया गया है।

लीची के छोटे पौधों में स्थापना के समय नियमित सिंचाई करनी चाहिये। जिसके लिये सर्दियों में 5 से 6 दिनों और गर्मी में 3 से 4 दिनों के अन्तराल पर थाला विधि से सिंचाई करनी चाहिए। लीची के पूर्ण विकसित पौधे जिनमें फल लगना प्रारम्भ हो गया हो उसमें फूल आने के 3 से 4 माह पूर्व (नवम्बर से फरवरी) पानी नहीं देना चाहिए। लीची के पौधों में फल पकने के छ: सप्ताह पूर्व (अप्रैल के प्रारम्भ) से ही फलों की विकास तेजी से होने लगता है। अत: जिन पौधों में फलन प्रारम्भ हो गया है, उनमें इस समय उचित जल प्रबन्ध एवं सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है।

पानी की कमी से फल का विकास रूक जाता है और फल चटखने लगते हैं। अत: उचित जल प्रबन्ध से गूदे का समुचित विकास होता है तथा फल चटखने की समस्या कम हो जाती है। विकसित पौधों में छत्रक के नीचे छोटे-छोटे फव्वारे लगाकर लगातार नमी बनाए रखी जा सकती है। शाम के समय बगीचे की सिंचाई करने से पौधों द्वारा जल का पूर्ण उपयोग होता है। बूंद-बूंद सिंचाई विधि द्वारा प्रतिदिन सुबह एवं शाम चार घंटा पानी (40 से 50) लीटर देने से लीची के फलों का अच्छा विकास होता है।

लीची के सफल उत्पादन के लिए मृदा में लगातार उपयुक्त नमी का रहना अति आवश्यक है। जिसके लिए सिंचाई के साथ-साथ मल्चिंग द्वारा जल संरक्षण करना लाभदायक पाया गया है। पौधे के मुख्य तने के चारों तरफ सूखे खरपतवार या धान के पुआल की अवरोध परत बिछाकर मृदा जल को संरक्षित किया जा सकता है। इससे मृदा के भौतिक दशा में सुधार, खरपतवार नियंत्रण एवं उपज अच्छी होती है।

देखभाल एवं काट-छाँट

लीची के पौधे लगाने के पश्चात् शुरूआत के 3 से 4 वर्षों तक समुचित देख-रेख करने की आवश्यकता पड़ती है। खासतौर से ग्रीष्म ऋतु में तेज गर्म हवा (लू) एवं शीत ऋतु में पाले से बचाव के लिए कारगर प्रबन्ध करना चाहिए। प्रारम्भ के 3 से 4 वर्षों में पौधों की अवांछित

शाखाओं को निकाल देना चाहिए जिससे मुख्य तने का उचित विकास हो सके। तत्पश्चात् चारों दिशाओं में 3 से 4 मुख्य शाखाओं को विकसित होने देना चाहिए जिससे वृक्ष का आकार सुडौल, ढांचा मजबूत एवं फलन अच्छी आती है।

लीची के फल देने वाले पौधों में प्रतिवर्ष अच्छी उपज के लिए फल तोड़ाई के समय 15 से 20 सेंटीमीटर डाली सहित तोड़ने से उनमें अगले वर्ष अच्छे कल्ले निकलते हैं तथा उपज में वृद्धि होती है। पूर्ण विकसित पौधों में शाखाओं के घने होने के कारण पौधों के आन्तरिक भाग में सूर्य का प्रकाश नहीं पहुँच पाता है, जिससे अनेक कीटों एवं बीमारियों का प्रकोप देखा गया है। अध्ययन में यह भी देखा गया है, कि लीची के पौधों में अधिकतम फलन नीचे के एक तिहाई छत्रक से होती है और वृक्ष के ऊपरी दो तिहाई भाग से अपेक्षाकृत कम उपज प्राप्त होती है।

अत: पूर्ण विकसित पौधों के बीच की शाखाएँ जिनका विकास सीधा ऊपर के तरफ हो रहा है, को काट देने से उपज में बिना किसी क्षति के पौधों के अन्दर धूप एवं रोशनी का आवागमन बढ़ाया जा सकता है।

गैंदा की खेती

गेंदा की खेती हमारे देश में लगभग हर क्षेत्र में की जाती है । यह बहुत महत्तवपूर्ण फूल की फसल है। क्योंकि इसका उपयोग व्यापक रूप से धार्मिक और सामाजिक कार्यों में किया जाता है। गेंदे की खेती व्यवसायिक रूप से केरोटीन पिगमेंट प्राप्त करने के लिए भी की जाती है। इसका उपयोग विभिन्न खाद्य पदार्थों में पीले रंग के लिए किया जाता है। गेंदा के फूल से प्राप्त तेल का उपयोग इत्र तथा अन्य सौन्दर्य प्रसाधन बनाने में किया जाता है। साथ ही यह औषधीय गुण के रूप में पहचान रखता है। कुछ फसलों में कीटों के प्रकोप को कम करने के लिए फसलों के बीच में इसके कुछ पौधों को लगाया जाता है।

कम समय के साथ कम लागत की फसल होने के कारण यह काफी लोकप्रिय फसल बन गई है। गेंदा के फूल आकार और रंग में आकर्षक होते हैं। इसकी खेती आसान होने के कारण इसे व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। आकार और रंग के आधार पर इसकी दो किस्में होती हैं- अफ्रीकी गेंदा और फ्रेंच गेंदा। इसके प्रमुख उत्पादक राज्य महांराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, आंध्रा प्रदेश, तामिलनाडू और मध्य प्रदेश है। यदि उत्पादक बंधु गेंदा की खेती वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर करें, तो इसकी फसल से उत्तम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इस लेख में गेंदा की उन्नत खेती कैसे करें की विस्तृत जानकारी का उल्लेख किया गया है।

⏩ खेत की तैयारी

गेंदा की खेती के लिए पौध की रोपाई के लगभग 15 दिन पहले भूमि की मिट्टी पलटने वाले हल से दो से तीन बार अच्छी तरह जुताई कर ले तथा मिट्टी में 30 टन प्रति हैक्टेयर की दर से अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद मिला देनी चाहिए। क्यारीयों की चौड़ाई एवं लम्बाई सिंचाई के साधन एवं खेत के आकार पर निर्भर करती है। खेत समतल होने पर क्यारीयां लम्बी एवं चौड़ी बनानी चाहिए, लेकिन खेत नीच ऊंच होने पर क्यारी का आकार छोटा रखना चाहिए। लेकिन दो क्यारियों के बीच में 1 से 1.5 फीट चौड़ा मेड़ रखनी चाहिए।

⏩ उन्नत प्रजातियाँ

गेंदा पुष्प उत्पादन के दृष्टिकोण से अफ्रिकन गेंदा और फ्रेंच गेंदा दो प्रकार की किस्में प्रचलित है, जैसे-

अफ्रिकन गेंदा- अफ्रिकन गेंदे के पौधे 90 से 95 सेंटीमीटर तक लम्बे तथा बड़ी-बड़ी शाखाओं वाले होते है। फूलों का रंग पीला, सुनहरा पीला, नारंगी आदि होता है। इसकी प्रचलित व्यवसायिक किस्में इस प्रकार है, जैसे-

बड़े फूलों वाली- पूसा नारंगी गेंदा, पूसा वसन्ती गेंदा, पूसा बहार, यलो सुप्रीम, क्लाईमैक्स, जीनिया गोल्ड, गोल्ड कॉचन, सन जाइंट समाइलस और मैन इन दी मून आदि प्रमुख है।

मध्यम आकार के फूलों वाली- जुवलो सीरिज, हैप्पी फेस, गोल्ड जैलोट और लोडी आदि प्रमुख है।

छोटे आकार के फूलों वाली- स्पेस राज सीरिज, अपोलो मून शोट, मैरीनेट, जिरेंक, गोल्डन रे, स्पन पीला, क्यूपिड, हैप्पीनेस और डोली आदि प्रमुख है।

फ्रेंच गेंदा- फ्रेंच गेंदे के पौधे अफ्रिकन गेंदे की अपेक्षा छोटे होते हैं। इस प्रजाती के पौधे की वृद्धि तीव्र गति से होती है। इस कारण यह फसल अफ्रिकन गेंदे की अपेक्षा शीघ्र तैयार हो जाती है। फ्रेंच गेंदे के फूल विभिन्न आकर्षक रंगो जैसे पीला, संतरी, भूरा, महारानी, दोरंगा तथा कई रंगो के मिश्रण आदि में पाए जाते है। फ्रेंच गेंदे की किस्मों को पौधों की ऊँचाई के आधार पर विभक्त किया जाता है, जैसे-

छोटे पौधे वाली- पूसा अर्पिता, फ्लैम, फ्लेमिंग फायर डबल और रस्टी रैड आदि प्रमुख है।

सबसे छोटे पौधे वाली- इस वर्ग में पिटाइट सीरिज की किस्में जो आमतौर पर 15 सेंटीमीटर तक बढ़ती है, जैसे- गोल्ड, जिप्सी, ओरेंज फ्लैम, डैन्टी मरीटा, स्टार ऑफ इण्डिया व टीना में इकहेर फूल आते है।

एफ 1 हाइब्रिड- अपोलो, क्लाइमैक्स, फस्ट लेडी, गोल्ड लेडी, ओरेंज लेड़ी, इन्का येलो, इन्का गोल्ड और इन्का ओरेंज आदि प्रमुख है।

⏩ बुवाई का समय

गर्मी के मौसम का गेंदा पुष्पोत्पादन करने हेतु फरवरी माह के दूसरे सप्ताह तथा वर्षा ऋतु के समय पुष्पोत्पादन हेतु जून के पहले सप्ताह में बीज की बुवाई करनी चाहिए। सर्दी के मौसम का पुष्पोत्पादन हेतु सितम्बर माह के दूसरे सप्ताह में बीज की बुवाई करनी चाहिए। नर्सरी में बीज की बुवाई के एक माह बाद पौध रोपण हेतु तैयार हो जाती है।

⏩ नर्सरी तैयार करना

गेंदा की पौध तैयार करने के लिए सामान्य तौर पर 1 मीटर चौड़ा तथा 15 से 20 सेंटीमीटर जमीन को सतह से ऊंची क्यारी बनाते हैं। दो क्यारियों के बीच में 30 से 40 सेंटीमीटर का फासला छोड़ देते हैं, जिससे सुगमतापूर्वक नर्सरी में खरपतवार निकाई तथा क्यारी से पौधों को रोपण हेतु निकाला जा सके नर्सरी की क्यारी की मिट्टी अच्छी तरह भुरभुरी करके मिट्टी में सड़ी हुई गोबर की खाद 10 से 12 किलोग्राम प्रति वर्गमीटर के दर से मिला देते हैं।

यदि बलुई दोमट मिट्टी न हो तो क्यारी में आवश्यकतानुसार बालू की मात्रा भी मिला देते हैं। क्यारी में बीज की बुवाई से पहले 2 ग्राम कैप्टान प्रति लीटर पानी में घोल कर सभी क्यारियों में डेंच कर देना चाहिए, इससे नर्सरी में कवक का प्रकोप कम हो जाता है। जिसके कारण बीज के अंकुरण के बाद पौधों की मृत्यु दर कम हो जाती है। क्यारी में बीज की बुवाई दो पंक्तियों के बीच में 6 से 8 सेंटीमीटर का फासला रखते हुए 1.5 से 2 सेंटीमीटर की गहराई पर करनी चाहिए।

पंक्तियों में बीज पास-पास नहीं रखना चाहिए क्योंकि पास-पास बीज की बुवाई करने से पौध कमजोर हो जाती है। जिससे पुष्प उत्पादन भी कम होता है। बीज की बुवाई के बाद सड़ी पत्ती की खाद या बालू की पतली परत क्यारी के उपर बिछा देना चाहिए। ऐसा करने से क्यारी में नमी बनी रहती है और बीज का अंकुरण भी अधिक होता है। क्यारियों में गर्मी के मौसम में सुबह-शाम तथा सर्दी एवं बरसात के मौसम में सुबह पानी प्रतिदिन फुहारा से देना चाहिए।

⏩ पौध रोपण

नर्सरी में गेंदा बीज की बुवाई के एक माह बाद पौध रोपण हेतु तैयार हो जाती है। अफ्रीकन गेंदा 40 × 40 सेंटीमीटर तथा फ्रेंच 30 × 30 सेंटीमीटर पौध से पौध एवं पंक्ति से पंक्ति के फांसले पर तथा 4 से 5 सेंटीमीटर गहराई पर रोपना चाहिए। पौध रोपण गर्मी के मौसम में सांयकाल तथा सर्दी एवं बरसात में पूरे दिन किया जा सकता है। पौध रोपण के समय यदि पौध लम्बा हो गया हो तो लगाने से पहले उसका शीर्षनोचन कर देना चाहिए।

⏩ खाद एवं उर्वरक

गोबर की सड़ी खाद 250 से 300 क्विंटल प्रति हैक्टेयर की दर से डालना चाहिए। इसके अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों द्वारा 200 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर नत्रजन और 80 किलोग्राम फास्फोरस एवं 80 किलोग्राम पोटाश देने से पुष्पोत्पादन बढ़ जाता है। फास्फोरस एवं पोटाश को पूरी मात्रा हेतु सिंगल सुपरफास्फेट तथा म्यूरेट आफ पोटाश को क्यारियों की तैयारी के समय मिट्टी में मिला देना चाहिए। नत्रजन की मात्रा को तीन बराबर भाग में बांट कर एक भाग क्यारीयों की तैयारी के समय एवं दो भाग पौध रोपण से 30 एवं 50 दिन पर यूरिया या कॅल्शियम अमोनियम नाइट्रेट उर्वरक द्वारा देना चाहिए।

⏩ सिंचाई प्रबंधन

गेंदा की खेती में पौधों की बढ़वार एवं पुष्पोत्पादन में सिंचाई का विशेष महत्व है। सिंचाई के पानी का पी एच मान 6.5 से 1.5 तक लाभकारी पाया गया है। पौध रोपण के तुरन्त बाद सिंचाई खुली नाली विधि से की जाती है। मृदा में अच्छी नमी होने से जड़ों की अच्छी वृद्धि एवं विकास होता है और पौधों को मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्व उचित मात्रा में मिलता रहता है। शुष्क मौसम में सिंचाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। गर्मी में 5 से 6 दिन तथा सर्दी में 8 से 10 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए। क्यारियों में पानी का जमाव नहीं होना चाहिए। बरसात में अत्याधिक पानी की निकासी के लिए जल निकास नाली पहले से तैयार रखनी चाहिए।

खरपतवार जब छोटा रहे उसी समय खेत से बाहर निकाल देना चाहिए। गेंदा फसल की छोटी अवस्था में समय पर गुड़ाई करनी चाहिए। ऐसा करने से मिट्टी भुरभुरी बनी रहती हैं और जड़ों की अच्छी वृद्धि एवं विकास होता है। मिट्टी की गुड़ाई बहुत गहरी नहीं करनी चाहिए।

⏩ शीर्षनोचन

प्रथम- शीर्षनोचन पौधा की फैलाव को बढ़ाने के लिए किया जाता है। शीर्षनोचन दो बार करने से पुष्पोत्पादन बढ़ जाता हैं। यदि पौध रोपण बिलम्ब से किया गया हो तो केवल प्रथम शीर्षनोचन करना चाहिए। प्रथम पौध रोपण के समय यदि पौधों का शीर्षनोचन न किया गया हो तो पौध लगाने के 12 से 15 दिन बाद उन प्रत्येक पौधा का शीर्षनोचन हाथ से करना चाहिए।

जिनकी लम्बाई जमीन की सतह से 15 सेंटीमीटर से अधिक हो गयी हो। शीर्षनोचन के समय यह ध्यान रखा जाता है, कि शीर्षनोचन के उपरान्त पौध पर 4 से 5 पूर्ण विकसित पत्तियाँ बनी रहें। ऐसा करने से एक पौध पर 3 से 5 तक मुख्य शाखाएं आ जाती हैं। शाखाओं की संख्या बढ़ने पर पुष्पोत्पादन बढ़ जाता है।

द्वितीय- प्रथम शीर्षनोचन जैसा ही द्वितीय शीर्षनोचन करते हैं। इसमें मुख्य शाखाएं जब 15 से 20 सेंटीमीटर लम्बी हो जाती हैं, उस समय हर शाखा पर 4 से 5 पूर्ण विकसित पत्तियों छोड़कर शीर्षनोचन कर देते हैं।

रेड स्पाइडर माइट- माइट गेंदा की पत्तियों का रस चूस लेते हैं। जिससे पत्तियाँ हरे रंग से भूरे रंग में बदलने लगती हैं और पौधों की बढ़वार बिल्कुल रुक जाती है। इसका अत्याधिक प्रकोप होने पर पुष्पोत्पादन भी नहीं हो पाता, जो कलियां बनती भी हैं, वह खिल भी नहीं पाती हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए हिल्फोल 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए।

एफिड्स- एफिड्स रस चूसने वाला कीट है। इनका प्रकोप गेंदा फसल की पत्तियों, टहनियों एवं पुष्प कलियों पर होता है। यह पौधे की वृद्धि को कम कर देता है।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए मैलाथियान या इण्डोसल्फान का छिड़काव 2.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर करना चाहिए। लीफमाइनर- लीफमाइनर नर एवं मादा दोनों गेंदा फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। गेंदा में इसका प्रकोप होने पर पत्तियों में सफेद धारियां बन जाती हैं और पौधों की बढ़वार कम हो जाती है।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए 1.5 से 2 मिलीलीटर इण्डोसल्फान प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करना चाहिए।

कैटरपिलर- कैटरपिलर हरा एवं भूरा

काले रंग का कीट है। यह गेंदा फसल की पत्तियों, टहनियों एवं कलियों को नुकसान पहुंचाते हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए 1.5 मिलीलीटर इण्डोसल्फान या मैलाथियान एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

⏩ रोग एवं रोकथाम

डैमपिंग आफ- यह बीमारी राइजोकटोनिया सोलेनाई कवक का प्रकोप होने पर नर्सरी में होती हैं। इस बीमारी का प्रकोप होने पर नर्सरी में ही पौधों की मृत्यु हो जाती हैं। अधिकतर यह बीमारी नर्सरी में पौधों को बहुत अधिक पानी देने के कारण होती है।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए क्यारीयों में बीज की बुवाई करने से पहले क्यारी में किसी भी कापर कवकनाशी (कैप्टान) का घोल (2.2 प्रतिशत सान्द्रता) का ड्रेच करना चाहिए या मिट्टी को फार्मल्डीहाइड नामक रसायन के घोल (2 प्रतिशत सान्दता) से संक्रमित कर देना चाहिए। इस बीमारी का प्रकोप होने के बाद निदान करना बहुत ही कठिन है।

फ्लावर बड़-रॉट- यह बीमारी अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्रों में देखी गई है। इस बीमारी से गेंदा फसल की कलियों पर ब्राउन धब्बे पड़ जाते हैं। इस प्रकार की कलियाँ पूर्ण रूप से खिल नहीं पाती हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम- 45 का.2.2 प्रतिशत सान्द्रता के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

कालर रॉट, फूट रॉट एवं रूट रॉट- यह बीमारियों राइजोकटोनिया सोलेनाई , फाइटोप्थोरा स्पेशीज, पीथियम स्पेशीज़, इत्यादि कवकों के कारण होती है। कालर राट गेंदा फसल में किसी अवस्था में देखा जा सकता है। फूट रॉट एवं रूट रॉट अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्र में तथा क्यारी में अधिक पानी होने के कारण भी होता है।